हिन्दी सांध्य दैनिक

# प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 40, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 अगस्त, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

## देश के 508 रेलवे स्टेशनों की बदलेगी सूरत, पीएम ने लॉन्च की अमृत भारत स्टेशन स्कीम

### रेलवे में जितना काम हुआ है, वह हर किसी को प्रसन्न और हैरान करती है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अमृत भारत स्टेशन स्कीम की शुरूआत की। इसके तहत देश भर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास किया जाएगा। इस मौके पर पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "रेलवे में जितना काम हुआ है, वह हर किसी को प्रसन्न और हैरान करती है। दुनिया में दक्षिण अफ्रीफा, यूक्रेन, पोलैंड, यूके और स्वीडन जैसे देशों में जितना रेल नेटवर्क है उससे अधिक रेल ट्रैक हमारे देश में इन 9 वर्षों में बिछाए गए हैं। साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में कुल जितना रेल ट्रैक है उससे अधिक रेल ट्रैक भारत में अकेले पिछले साल बनाए हैं।" पीएम मोदी ने इस ऐतिहासिक पल के मौके पर कहा, "2030 तक भारत एक ऐसा देश होगा जिसकी रेलवे नेट जीरो उत्सर्जन पर चलेगी। हमारा जोर भारतीय रेलवे को आधुनिक बनाने के साथ ही पर्यावरण फ्रेंडली बनाने पर भी है। जल्द भारत के शत प्रतिशत रेलवे ट्रैक इलैक्ट्रीफाइड होने जा रहे हैं। बिजली बनाने वाले रेलवे स्टेशनों का संख्या भी 1200 से ज्यादा हो गई है। हमारा लक्ष्य यही है कि आने वाले समय में सभी स्टेशन ग्रीन एनर्जी बनाए।"

**25 हजार करोड़ रुपये की लागत से होगा पुनर्विकास**– देशभर में रेलवे स्टेशनों का शिलान्यास समारोह ऐतिहासिक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत होगा। इससे पहले शनिवार को प्रधानमंत्री ने इस कदम की सराहना की और कहा कि यह परियोजना 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ावा देगी और आराम के साथ-साथ सुविधा भी बढ़ाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि लगभग 25,000 करोड़ रुपये की लागत से किया जाने वाला पुनर्विकास देश में रेल बुनियादी ढांचे की कल्पना में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

**पीएम मोदी ने किया ट्वीट**– पीएम मोदी ने ट्वीट किया, "कल, 6 अगस्त, रेलवे क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। सुबह 11 बजे, ऐतिहासिक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भारत भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी जाएगी। लगभग 25,000 करोड़ रुपये की लागत से, पुनर्विकास हमारे देश में रेल बुनियादी ढांचे की कल्पना में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। यह 'जीवन जीने में आसानी' को बढ़ावा देगा और आराम के साथ-साथ सुविधा भी बढ़ाएगा।"

साथ ही, उन्होंने अपने ट्वीट में कहा, "यह सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष ध्यान रखा गया है कि स्टेशन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला के अनुरूप हो।" भारत में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की सराहना करते हुए, पीएम मोदी ने अपने फेसबुक पेज पर कहा, "भारत के स्टेशन आधुनिक होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।"

**अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत होगा पुनर्विकास**– यह देखते हुए कि रेलवे देश भर के लोगों के लिए परिवहन का पसंदीदा साधन है, उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया है। अमृत भारत स्टेशन योजना देश भर में 1,309 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए शुरू की गई थी।

**508 स्टेशनों की बदलेगी सूरत**– ये 508 स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 55-55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22 स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा, गुजरात और तेलंगाना में 21-21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 18-18, हरियाणा में 15, कर्नाटक में 13 और अन्य कई राज्यों के कई स्टेशन शामिल हैं। पुनर्विकास यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किए गए यातायात परिसंचरण, अंतर-मोडल एकीकरण और अच्छी तरह से डिजाइन किए गए साइनेज को सुनिश्चित करने के साथ-साथ आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान करेगा। स्टेशन भवनों का डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा।

## ज्ञानवापी का खुला तहखाना तो चौंका हिंदू पक्ष, बोला- एएसआई को ऐसे कई और प्रमाण मिलेंगे

वाराणसी। ज्ञानवापी में एएसआई सर्वे के तीसरे दिन शनिवार को हिंदू पक्ष की वादिनी महिला और अधिवक्ताओं ने दावा किया कि तहखाने में मूर्तियों और मंदिर के टूटे हुए खंभों के अवशेष मिले हैं। अभी एएसआई को ऐसे कई और प्रमाण मिलेंगे, जिनके आधार पर वैज्ञानिक पद्धति से यह स्पष्ट हो जाएगा कि ज्ञानवापी का धार्मिक स्वरूप बदला गया था। दूसरी तरफ, जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने सर्वे व रिपोर्ट जमा करने से संबंधित एएसआई की अर्जी स्वीकार कर ली है। जिला जज की अदालत ने सर्वे रिपोर्ट दो सितंबर तक मुहैया कराने के आदेश दिए हैं। एएसआई की तरफ से सर्वे व उसकी रिपोर्ट जमा करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया था। शनिवार के सर्वे में मुस्लिम पक्ष व उनके अधिवक्ता भी शामिल हुए। ज्ञानवापी परिसर में शनिवार सुबह आठ बजे सर्वे शुरू हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच एएसआई की टीम पहुंची और मुख्य परिसर से गुंबद, व्यासजी के तहखाने व अन्य हिस्सों में जाकर जांच की है। तहखाने के सर्वे के दौरान कई अहम साक्ष्य जुटाए गए। मिट्टी, ईंट व पत्थर के नमूने भी लिए गए हैं। इसकी मदद से निर्माण का कालखंड व उसकी उम्र का पता लगाया जाएगा। शाम पांच बजे सर्वे खत्म हुआ तो हिंदू व मुस्लिम पक्ष के लोग परिसर से बाहर आए।

हिंदू पक्ष की तरफ से वादिनी सीता साहू और अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने पत्रकारों से बात की और कहा कि एएसआई की टीम के साथ ज्ञानवापी के सील वजूखाने को छोड़कर शेष अन्य सभी हिस्सों में गए थे। नंदी के सामने व्यासजी के तहखाने में मूर्तियों और मंदिर के टूटे हुए खंभों के अवशेष मिले हैं। तहखाने में स्वस्तिक और कलश जैसी आकृतियां भी दिखी हैं। ज्ञानवापी की पश्चिमी दीवार बगैर किसी सर्वे के गवाही दे रही है। बता रही है कि ज्ञानवापी हिंदू धर्म के प्राचीन शिव मंदिर का एक अभिन्न हिस्सा है। सीता साहू और उनके अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने दावा करते हुए कहा कि एएसआई की वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित जांच में यह भी स्पष्ट होगा कि ज्ञानवापी के मुख्य गुंबद के नीचे जमीन के भीतर शिवलिंग दबाया गया है। एएसआई की टीम इसमें आईआईटी कानपुर की मदद लेगी। इसके लिए ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक का सहारा लिया जाएगा। सीता साहू और अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने कहा कि सर्वे का काम संपन्न होने में समय लगेगा, लेकिन यह पारदर्शी तरीके से स्पष्ट हो जाएगा कि प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर उसके ऊपर मौजूदा इमारत बनाई गई थी। हिंदू पक्ष की वादिनी राखी सिंह के अधिवक्ता अनुपम द्विवेदी ने बताया कि एएसआई की टीम ने शनिवार को ज्ञानवापी की मौजूदा इमारत की थ्री-डी इमेजिंग की। इमारत की थ्री-डी इमेजिंग के लिए ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) की मदद ली गई। इसके अलावा ज्ञानवापी परिसर के आंतरिक हिस्से की मैपिंग और स्कैनिंग के साथ ही फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का काम जारी रहा।

## पाकिस्तान में बड़ा रेल हादसा, पटरी से उतरी ट्रेन, अब तक 15 की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बड़े रेल हादसे की खबर है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, रावलपिंडी से चलने वाली हजारा एक्सप्रेस के दस डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। इस हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत की खबर है। 50 के करीब लोगों के घायल होने की खबर है। हादसा सहारा रेलवे स्टेशन के नजदीक हुआ। यह स्टेशन शहजादपुर और नवाबशाह के बीच स्थित है। हादसे में प्रभावित लोगों को नवाबशाह के मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रेन के बेपटरी होने की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है। अधिकारी जांच कर रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने पाकिस्तानी रेलवे के डिविजनल सुपरीटेंडेंट सुकुर मोहम्मदुर रहमान के हवाले बताया है कि 10 बोगियां पटरी से उतरी हैं। पुलिस का कहना है कि प्रभावित बोगियों में से यात्रियों को निकाल लिया गया है। नजदीकी अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। हादसे का शिकार हुई हाजरा एक्सप्रेस में वही इंजन लगा हुआ था, जो इसी साल मार्च में हवेलियां से कराची जाने वाली ट्रेन में लगा था। बता दें कि वह ट्रेन भी रेलवे अधिकारियों की लापरवाही से भीषण हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बची थी। वहीं बीते दिनों ही कराची से सियालकोट जा रही अल्लामा इकबाल एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए थे। हालांकि इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई थी। पाकिस्तान में रेल हादसे आम होते जा रहे हैं। बीते एक दशक में पाकिस्तान में कई बड़े रेल हादसे हुए हैं और बीते सालों में इनमें तेजी आई है।

## अमरोहा में भारत माता के जयकारे पर भड़के बसपा सांसद दानिश, भाजपाइयों से नोकझोंक

अमरोहा। अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यक्रम में भाजपा के शिक्षक विधायक डा हरिसिंह ढिल्लो ने भारत माता की जय का नारा लगाया तो बसपा सांसद दानिश अली भड़क गए। उन्होंने इसका विरोध किया। जिस पर वहां मौजूद भाजपाई भी भड़क गए।दोनों पक्षों में जमकर नोकझोंक हुई। हालात खींचतान के बन गए। अधिकारियों ने मशक्कत के बाद मामला शांत कराया। रविवार को अमरोहा रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण चल रहा था। यहां पूर्व सांसद कंवर सिंह तंवर, शिक्षक विधायक डॉ हरिसिंह ढिल्लो व जिलाध्यक्ष डॉ ऋषिपाल नागर समेत तमाम भाजपाई मौजूद थे। वहीं बसपा सांसद कुंवर दानिश अली भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे थे। संबोधन के दौरान शिक्षक विधायक ने भारत माता की जय के नारे लगाए तो सांसद को बुरा लगा। उन्होंने खड़े होकर इसका विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों तरफ से नोकझोंक बढ़ गई। सांसद समर्थक व भाजपा कार्यकताओं में खींचतान शुरू हो गई। अधिकारियों ने किसी तरह मामला शांत कराया। सांसद का कहना था कि यह भाजपा का निजी कार्यक्रम नहीं बल्कि सरकारी कार्यक्रम है। यहाँ भाजपा ज़िंदाबाद के भी नारे लगे। प्रधानमंत्री ने यह स्टेशन भाजपा नहीं बल्कि, राष्ट्र को समर्पित किए हैं। ऐसे में पार्टी समर्थित नारे लगाना अनुचित है। जबकि एमएलसी ढिल्लो ने कहा कि भारत माता का जयकारा लगाना हमारा अधिकार है। इसका विरोध सहन नहीं किया जा सकता।

## उपेंद्र कुशवाहा ने महागठबंधन को लेकर की भविष्यवाणी, बोले- नीतीश कुर्सी से हटे तो महागठबंधन ताश के पत्ते की तरह बिखर जाएगा

सुपौल। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब तक सीएम की कुर्सी पर हैं, तब तक ठीक है। जिस दिन मुख्यमंत्री की कुर्सी से नीतीश कुमार हटे तो महागठबंधन ताश के पत्ते की तरह बिखर जाएगा। यह बात राष्ट्रीय लोक जनता दल पार्टी के सुप्रीमो सह पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने सुपौल शहर के जिला अतिथि गृह में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। राष्ट्रीय लोक जनता दल पार्टी के सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा बीते शनिवार को सुपौल जिला पहुंचे थे। जहां उन्होंने जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की। यहां उन्होंने जिले के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए बूथ स्तर तक पार्टी मजबूत करने का आवाहन किया था। रविवार की दोपहर शहर के जिला अतिथि गृह में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राष्ट्रीय लोक जनता दल पार्टी के सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू पर जमकर जुबानी हमला किया।

उन्होंने कहा कि बिहार में महागठबंधन तब तक चल रहा है, जब तक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीएम की कुर्सी पर बैठे हैं। जिस दिन सीएम नीतीश कुमार कुर्सी से उतरे, बिहार में महागठबंधन ताश के पत्ते की तरह बिखर जाएगा। कुशवाहा ने कहा कि अंदर-अंदर डील हुई है कि बिहार की राजनीति से नीतीश कुमार को मुक्त कर देना है और तेजस्वी की बिहार में ताजपोशी कर देनी है। वहीं, लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि लालू प्रसाद नीतीश कुमार को बिहार से आगे राजनीति में ले जाने वाले भी नहीं हैं। सिर्फ उनका मकसद इतना ही है कि अपने बेटे को कैसे मुख्यमंत्री बनाएं। लालू प्रसाद भी समझते हैं कि आगामी 2025 में विधानसभा चुनाव में जनता का मैंडेट पूरी तरह राष्ट्रीय जनता दल को आने वाला नहीं है। इसलिए वह चाहते हैं कि छह महीने या साल भर मेरे बेटे तेजस्वी को ही मुख्यमंत्री बना दिया जाए। सीएम नीतीश कुमार की अगली रणनीति है कि किसी तरह 2025 तक टाल कर ले चलो।

## बहुत समय बाद आप सही जगह बैठे हैं, मजाकिया अंदाज में अजित पवार से बोले शाह

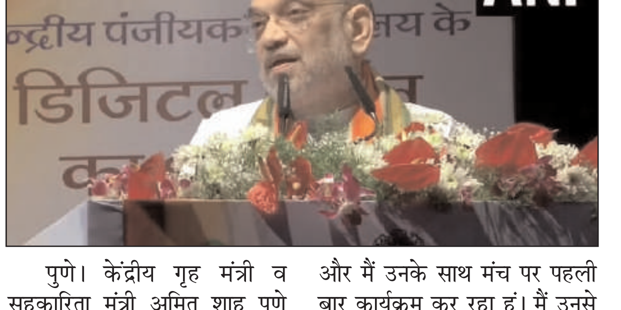


पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री व सहकारिता मंत्री अमित शाह पुणे पहुंचे हैं। उन्होंने केंद्रीय सहकारी समिति रजिस्ट्रार कार्यालय के डिजिटल पोर्टल के लॉन्च कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने मजाकिया अंदाज में अजित पवार से कहा कि दादा आप बहुत समय बाद आप सही जगह बैठे हैं। बता दें, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने पुणे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। शाह ने कार्यक्रम में कहा कि दादा (अजित पवार ) उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार आए हैं और मैं उनके साथ मंच पर पहली बार कार्यक्रम कर रहा हूं। मैं उनसे कहना चाहुंगा, दादा आप बहुत समय बाद आप सही जगह बैठे हैं। यह जगह सही थी, लेकिन आपने बहुत देर कर दी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि बहुराज्य सहकारी समितियों की देखभाल करने वाला केंद्रीय सहकारी समिति रजिस्ट्रार का कार्यक्रम आज से पूरी तरह से डिजिटल हो रहा है। अब किसी भी बहुराज्य सहकारी समिति को अपनी ब्रांच बढ़ानी हो, दूसरे राज्य में जाना हो आदि काम करने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं होगी।

## मणिपुर में फिर भड़की हिंसा : 15 घरों को उपद्रवियों ने किया आग के हवाले, गोली लगने से एक व्यक्ति घायल

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। लगातार दंगे बढ़ते जा रहे हैं। जैसे ही लगता है कि अब हालात सामान्य होने वाले हैं कि एक बार फिर भीड़ उत्पात मचा देती है। इस बीच खबर आ रही है कि मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में उपद्रवियों ने 15 घरों को आग लगा दी। इससे यहां हिंसा भड़क गई। अधिकारियों ने बताया कि घटना शनिवार शाम लैंगोल गेम्स गांव में हुई जब भीड़ ने जमकर उत्पात मचाया। भीड़ को तितर-बितर करने और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सुरक्षाकर्मियों ने कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। उन्होंने बताया कि हिंसा के दौरान एक 45 वर्षीय व्यक्ति को गोली मार दी गई। उनके बाईं जांघ पर गोली लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल वह खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह स्थिति में सुधार हुआ, लेकिन प्रतिबंध जारी रहे। अधिकारियों ने आगे बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के चेकोन इलाके से भी ताजा हिंसा की सूचना मिली है, जहां शनिवार को एक बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान को आग लगा दी गई। उन्होंने बताया कि आसपास के तीन घरों में भी आग लगा दी गई। हालांकि, दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। हिंसा की ये घटनाएं 27 विधानसभा क्षेत्रों की समन्वय समिति की ओर से आहूत 24 घंटे की आम हड़ताल के बीच सामने आई हैं। हड़ताल से शनिवार को इंफाल घाटी में सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में ह्यआदिवासी एकजुटता मार्चह्ण के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

## सदन में जनता के मुद्दे रखे जाएं, विपक्ष भी सरकार को मजबूर करे : मायावती

लखनऊ। यूपी विधानसभा के सोमवार से शुरू हो रहे सत्र पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा है कि सरकार आम जनहित के जरूरी मुद्दे जैसे बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, शांति व्यवस्था और सुरक्षा की बदहाल स्थिति पर विशेष जिम्मेदारी का परिचय दे। इन्हें लेकर लोगों का जीवन त्रस्त व अस्त व्यस्त है। मायावती ने विपक्ष को भी नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के वादों एवं दावों की याद दिलाए। सदन में उत्तरदायित्व बनाने तथा इन्हें इधर-उधर की बजाय तथात्मक बातें ही सदन में रखने को विवश करे। नियमों के तहत इनको इन मुद्दों के लिए बाध्य करना जरूरी है। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को विधानमंडल सत्र को लेकर सभी दलों की बैठक बुलाई जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है। इसके जरिये सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों अपने-अपने एजेंडे को धार देने की रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। मुख्य विपक्षी सपा के अलावा कांग्रेस व बसपा जहां टमाटर, छुट्टा पशु, महंगाई और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे, वहीं भाजपा भी विकास के मुद्दे पर केंद्रित रहते हुए पलटवार करने की पूरी तैयारी कर रही है।

## संपादकीय

# संसद की कार्रवाई पर सेंसरशिप?

संसद में सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का अधिकार है। वह जो भी बोलते हैं, वह रिकॉर्ड पर आता है। सदस्यों की अभिव्यक्ति पर सदन के अंदर कोई रोक टोक नहीं है। आसंदी द्वारा दी गई व्यवस्था के अनुसार सदस्य अपनी बात सदन के अंदर कहते हैं। संसद में सदस्यों द्वारा जो बोला गया है, उसको आधार बनाकर सांसद को सदन के बाहर कोई चुनौती भी नहीं दी जा सकती है। यह संवैधानिक संरक्षण निर्वाचित प्रतिनिधियों को मिला हुआ है। संसद में चर्चा के दौरान यदि किसी सदस्य द्वारा ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया है। जो असंसदीय है, ऐसे शब्दों को हटाने का अधिकार सदन के अध्यक्ष अथवा सभापति को होता है। उन शब्दों को कार्यवाही से निकालने की परंपरा 1950 से लेकर अभी तक चली आ रही है। इसके लिए राज्यसभा में नियम 261 और लोकसभा में नियम 380 के तहत अध्यक्ष समय-समय पर गैर संसदीय आपत्तिजनक शब्दों को रिकॉर्ड से हटाने के आदेश समय-समय पर देते रहे हैं। पिछले कुछ समय से विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में जो मामले उठाए जाते हैं। उनको रिकॉर्ड पर ही नहीं लिया जाता है। जो रिकॉर्ड में आ जाते हैं, उन्हें भी हटाने के आरोप अब विपक्षी दल मुखरता के साथ लगा रहे हैं। इस तरह के आरोप से आसंदी कमजोर होती है। हाल ही में डेरेक ओ ब्रायन ने मणिपुर की घटनाओं को लेकर संसद में जो बोला था। उनका पूरा बयान संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। उन्होंने कहा, इसमें कुछ भी संसदीय नहीं था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है, कि विपक्षी सदस्य सदन के अंदर जो बोलते हैं। उनके बयान को संसद की कार्यवाही से हटाया जा रहा है। या उन्हें सेंसर किया जा रहा है। उन्होंने अपने आरोप में कहा कि मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जयराम रमेश, महुआ मोइत्रा, शांतनु सेन। भगवंत सिंह मान, संजय सिंह जान ब्रिट्स, एमबी राजेश, विनोद विश्वम, वाइको, संजय राउत इत्यादि सदस्यों के कथन सदन की कार्रवाई से हटाए गए हैं। उनके बयान में असंसदीय कुछ भी नहीं था। हां उनके बयान सरकार के खिलाफ थे। सदन की कार्रवाई से जिन सदस्यों के बयान को संसद की कार्रवाई से हटाया गया है। उनमें अधिकतर अडानी समूह, हिंडनवर्ग रिसर्च सेंसरशिप, आपातकाल, प्रधानमंत्री के बयान को उल्लेखित करते हुए जो बयान दिए गए थे। उन्हें सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया है। विपक्ष का आरोप है, विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में दिए गए हर उस बयान को हटाया गया है। जिनमें सरकार अपनी जवाबदेही में विफल थी। सदन की कार्यवाही को हटाने से पहले सदस्यों को नोटिस तक नहीं दिया गया। नाही उनकी प्रतिक्रिया ली गई। सरकार की आलोचना करने वाले, जो भी बयान विपक्षी सांसदों के थे। उन्हें संसद की कार्रवाई से हटाकर एक तरह से सांसदों के बोलने के रिकॉर्ड पर भी सेंसरशिप जैसी स्थिति आ गई है। 1969 की किताब कैबिनेट गवर्नमेंट को उद्धत करते हुए कहा गया, कि सरकार और मंत्रियों पर प्रहार करना विपक्ष का दायित्व है। इससे भ्रष्टाचार और सरकार के कुशासन पर अंकुश लगाने की संवैधानिक शक्ति विपक्ष को मिलती है। संसद ही एक ऐसा मंच है, जहां पर निर्वाचित प्रतिनिधि अपने अधिकार के कारण सरकार से सवाल पूछ पाते हैं। सरकार को जवाब देने की बाध्यता, संवैधानिक प्रावधान में है। सदन के अध्यक्ष और सभापति का दायित्व होता है,कि वह सरकार से सदस्यों के हर प्रश्न का उत्तर दिलाने में सदस्यों की मदद करे। पिछले कुछ सत्रों मे असंसदीय शब्दों के स्थान पर विपक्षी सांसदों के पूरे बयान को ही,या उसके बड़े हिस्से को हटाने की कार्रवाई, लोकसभा और राज्यसभा में बड़े पैमाने पर की जा रही है। जो विपक्षी सांसदों के अनुसार एक तरह से सेंसरशिप है। सदस्यों की सदन के अंदर बोलने की जो अभिव्यक्ति है। उसको सदन के रिकॉर्ड से बाहर करना, असंवैधानिक बताते हुए अब विपक्षी दलों द्वारा विरोध मुखर होकर किया जा रहा है। आसंदी, सरकार के दबाव में सदन की कार्रवाई को संचालित करने और सरकार को बचाव करने का मौका देने की बात कह रहे हैं। जिसके कारण विपक्ष,सरकार और आसंदी के बीच में टकराव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सदस्यों के अधिकारों का संरक्षण करने का दायित्व संविधान ने सभापति और लोकसभा अध्यक्ष को दिया है। सरकार कई मामलों मैं विपक्ष के आरोपों या उनके प्रश्न से बचना चाहती है। पहले भी ऐसे कई उदाहरण हैं, आसंदी ने सरकार को सदस्यों द्वारा मांगी गई जानकारी और उनकी भावनाओं को सदन में जवाब दिलाने में सदस्यों को आसंदी का संरक्षण मिला है। अब इसके विपरीत स्थिति होने के कारण, विपक्षी दलों का आसंदी पर विश्वास कम हो रहा है। संसदीय परंपराओं निर्वाचित सदस्यों के अधिकार, लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के अधिकारों पर, सरकार के बढ़ते हुए प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। यह चिंता का विषय है।

# थुकदम पर शोध खोलेगा जीवन-मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे। माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोंछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे। इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है। हालांकि, वैज्ञानिक शोध में जुटे चिकित्सक अभी तक यही मान रहे हैं कि जब तक आत्मा है, तब तक शरीर सुरक्षित रहेगा। थुकदम (यानी मृत्यु के बाद भी शरीर के यथावत रहने की मुद्रा) के शोध प्रोजेक्ट पर काम कर रहे डेलेक अस्पताल के चीफ मेडिकल आफिसर डा. छेतेन दोरजे का कहना है कि विज्ञान हालांकि इस बात को स्वीकार नहीं करता मगर, हमें मानना होगा कि यह जीवन और जीवन के बाद आत्मा से जुड़ा पहलू है। उन्होंने दावा किया बहुत जल्द वैज्ञानिक तथ्यों के साथ वह इसके रहस्य तक भी पहुंचने वाले हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें इस तरह के और सब्जेक्ट की तलाश है।

# योगी सरकार को भारी पड़ रही है सरकारी मशीनरी की मनमानी

**अजय कुमार**

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। अपराधों पर नियंत्रण है। अपराधी खौफजदा हैं। योगी के मंत्रियों के कामकाज की भी समीक्षा हो रही है, जिसके चलते प्रदेश की बदहाली दूर हो रही है। सरकार ने नौकरशाही और पुलिस की लगाम कस रखी गई है, जिससे लाल फीताशाही पर लगाम लगी है। प्रदेश में अमन चैन है। बार-बार योगी सरकार इस तरह के दावे करती रहती है। फिर भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने अधिकारियों को यह नसीहत देनी पड़ती है कि जनता की समस्याएं न सुनना अब अधिकारियों को भारी पड़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत दिनों अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि आम लोगों की समस्याओं के निस्तारण पर पूरा जोर दिया जाए। ऐसे अधिकारी जो जनता की समस्याएं नहीं सुनेंगे और बेवजह उन्हें कार्यालयों के चक्कर लगवाएंगे तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह चेतावनी पांच कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर प्रदेश भर से आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए दी और कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए। ऐसे में यह समझना मुश्किल है कि प्रदेश के विकास की हकीकत क्या है? क्यों दूरदराज की जनता को अपनी समस्याओं के लिए मुख्यमंत्री की चौखट पर आना पड़ता है? जिला प्रशासन क्या अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन भली प्रकार से नहीं कर रहा है? खास बात यह है कि मुख्यमंत्री के दरबार में फरियाद लेकर आने वाली जनता की अपेक्षाएं इतनी बड़ी नहीं होती हैं जिनका निस्तारण मुश्किल हो। ज्यादातर लोग बिजली-पानी और खस्ताहाल सड़क जैसी समस्याएं लेकर आते हैं। इसके अलावा थाने में रिपोर्ट नहीं मिलने और पुलिस उत्पीड़न के मामले सामने आते हैं। यह वह समस्याएं हैं जिनका समाधान जिला स्तर पर हो जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं हो रहा है तो कहीं न कहीं प्रदेश का प्रशासनिक ढांचा पूरी तरह से चरमराया हुआ है।

यह बात योगी मानते भले नहीं हों लेकिन उनकी चिंता तो सामने आ ही रही है। इसीलिए तो योगी को कहना पड़ रहा है कि अधिकारी निर्धारित समय पर अपने कार्यालय पहुंचें और लंच में घर न जाएं बल्कि आफिस में ही भोजन करें। विभिन्न विभागों से संबंधित जो भी समस्याएं लेकर लोग लखनऊ आ रहे हैं उन्हें जिला स्तर पर सुना जाए और उसका समय रहते ही निपटारा कराया जाए। सरकारी मशीनरी कितनी लचर है। इसका ताजा उदाहरण गत दिनों तब देखने को मिला था, जब केंद्रीय मंत्री और लखनऊ के मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद कौशल किशोर के कार्यक्रम में 12 बार बिजली कटी। बार-बार बिजली कटने की बात सामने आने के बाद समाजवादी पार्टी ने योगी सरकार पर जुबानी हमला बोला था। मंत्री कौशल किशोर का कार्यक्रम लखनऊ में विधान सभा के सामने स्थित के सहकारिता भवन सभागार में हो रहा था। इस सभागार में मंत्री का भाषण करीब 40 मिनट तक चला, इस पूरे भाषण के दौरान करीब 12 बार बिजली कटी। भाषण के दौरान बार-बार बिजली कटने से केंद्रीय मंत्री नाराज हो गए। भाषण के दौरान उन्होंने नाराजगी जताई थी। वहीं सपा ने ट्वीट कर लिखा था, ह्यमंत्री के कार्यक्रम में बिजली गुल, योगी सरकार की पोल गई खुल। बात समाजवादी पार्टी की ही नहीं है। केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर ने स्वयं कहा था कि उनका फोन बिजली विभाग वाले नहीं उठाते हैं तो आम जनता का क्या हाल होता होगा। बात मंत्री के कार्यक्रम में 12 बार बिजली कटने से इतर की जाए तो इस समय प्रदेश में बिजली व्यवस्था का बुरा हाल है। नगर विकास और ऊर्जा विभाग के मंत्री ए0के0 शर्मा बिजली की चरमराई व्यवस्था को सुधारने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहे हैं। ऐसे हालात काफी समय बाद पैदा हुए हैं।

यह सब तब हो रहा है जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए अफसरों को निर्देश दिए, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही इस कदर हावी रही कि बरसात गुजरते ही गड्ढों में सड़क ढूंढ़ना मुश्किल हो गया है। हाईवे हो या शहर की सड़कें बदहाल हैं। इनमें देहात क्षेत्र की सड़कों का और बुरा हाल हैं। फिर भी अधिकारी समस्या का समाधान नहीं कराते हैं। एक विभाग दूसरे के पाले में गेंद डाल जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। उत्तर प्रदेश में नगर निगम और लोकनिर्माण विभाग दोनों की ही सड़कों का बुरा हाल है। जबकि सड़कों के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव के लिए भारी भरकम रकम खर्च की जाती है। लेकिन सरकारी धन के बंटवारे में सड़कों का निर्माण और मरम्मत दोनों बेहद घटिया सामग्री से होता है, जिससे सड़कें महीने भर में उखड़ जाती हैं। लेकिन अफसर और निर्माण एजेंसियां सड़कों की तरफ मुड़कर नहीं देखते हैं जिससे यात्रा करने वाले ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चलने के लिए मजबूर हैं। सड़क निर्माण के लिए दर्जन भर से ज्यादा विभाग बने हैं। लोक निर्माण विभाग में निर्माण खंड, प्रांतीय खंड, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना खंड, नेशनल हाईवे खंड, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत, ग्राम पंचायत, विधायक निधि, सांसद निधि, विधान परिषद सदस्य निधि, विश्व बैंक योजना, नहर विभाग, सिंचाई विभाग आदि के तहत सड़कों का निर्माण होता है। लेकिन सड़कों के निर्माण में पत्थर की गिट्टी के बजाय मिट्टी भरी जाती है जिससे सड़कें बनने के बाद ध्वस्त हो जाती हैं। यह सब तब है जबकि मुख्यमंत्री से लेकर विभागीय मंत्री तक जिलों के अधिकारियों के साथ लगातार सर्वे कर रहे हैं, लेकिन अधिकारी सरकार को कैसे गुमराह कर रहे हैं, इसकी मिसाल बीते अक्तूबर माह में तब दिखाई दी जब पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद लखनऊ के नेशनल कॉलेज के सामने बनी राणा प्रताप मार्ग की सड़क को देखने पहुंचे। इसे एक सप्ताह पहले ही बनाया गया था और सिर्फ फिनिशिंग टच देना बाकी था। यहां इंजीनियरों ने जो जगह दिखाई, मंत्री ने उसकी जगह दूसरे स्थान पर सड़क की खुदाई करा दी। मंत्री की जांच में दो करोड़ रुपये से तैयार सड़क की गुणवत्ता काफी खराब मिली थी। यह चुनिंदा उदाहरण है।

इसी प्रकार उत्तर प्रदेश पुलिस भी अपना पुराना रवैया बदलने को तैयार नहीं है। पुलिस के लिए योगी सरकार का वह फरमान सोने पर सुहागा साबित हो रहा है, जिसमें योगी ने अपने जनप्रतिनिधियों को हिदायत दे रखी है कि कोई भी पार्टी या सरकार का नुमांइदा किसी केस में पैरवी के लिए थाने नहीं जायेगा, इसके चलते पुलिस की मनमानी बढ़ गई है। यदि बीजेपी या सत्ता पक्ष का कोई नेता किसी मामले में थाने पहुंच जाता है तो पुलिस नेताजी को योगी का अरमान सुनाकर उसकी बोलती बंद कर देती है। इसके चलते कई निदोर्षों को इंसाफ नहीं मिल पाता है। बात इससे आगे की कि जाए तो योगी सरकार ने पिछली राज्य सरकारों में गरीबों को मिलने वाले सरकारी राशन का वितरण भी 5-6 महीने से बंद कर दिया है। अब सिर्फ मोदी सरकार द्वारा ही पांच किलो प्रति व्यक्ति राशन दिया जा रहा है, जिसकी शुरूआत कोरोना काल में हुई थी। पहले राज्य सरकारों द्वारा 2-3 रुपए प्रति किलो पर गरीब जनता को चावल-गेहूं उपलब्ध कराया जाता था।

# भारत में झूठा विमर्श गढ़ने के हो रहे हैं प्रयास

भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विकास से सम्बंधित हाल ही में जारी किया गए आंकड़ों को देखने के पश्चात ध्यान में आता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब पटरी पर तेजी से दौड़ने लगी है। परंतु, देश के मीडिया में भारत के आर्थिक क्षेत्र में लगातार बन रहे नित नए रिकार्ड का जिक्र कहीं भी नहीं है। इसके ठीक विपरीत देश में रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहे हैं, गरीब अति गरीब की श्रेणी में जा रहा है, मुद्रा स्फीति की दर अधिक हो रही है, भुखमरी बढ़ रही है, हिंसा बढ़ रही है, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं, आदि विषयों पर विमर्श गढ़ने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है।

भारत में झूठे विमर्श गढ़ने का इतिहास रहा है। अंग्रेजों के शासन काल में भी कई प्रकार के झूठे विमर्श गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैज्ञानिक एवं आधुनिक है, भारत सपेरों का देश है एवं इसमें अपढ़ गरीब वर्ग ही निवास करता है, सनातन भारतीय संस्कृति रूढ़िवादी एवं अवैज्ञानिक है, शहरीकरण विकास का बड़ा माध्यम है अतः ग्रामीण विकास को दरकिनार करते हुए केवल शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, शहरी, ग्रामीण एवं जनजातीय के बीच में आर्थिक विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के क्षेत्र हैं, विदेशी भाषा को जानने के चलते नागरिकों में आत्मविश्वास बढ़ता है, संस्कृति से अधिक तर्क को महत्व दिया जाना चाहिए, व्यक्ति एवं समश्टि में व्यक्ति को अधिक महत्व देना अर्थात व्यक्तिवाद को बढ़ावा देना चाहिए (पूंजीवाद की अवधारणा), कम श्रम करने वाला व्यक्ति अधिक होशियार माना गया, सनातन हिन्दू संस्कृति पर आधारित प्रत्येक चीज को हेय दृष्टि से देखना, जैसे दिवाली के फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं, होली पर्व पर पानी की बबार्दी होती है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज सनातन भारतीय संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं।

पश्चिमी देशों एवं कई विदेशी संस्थानों द्वारा भारत के विरुद्ध गढ़े जा रहे विमर्श के विपरीत भारत लगातार आर्थिक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के विकास में सेवा क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि देश के सकल घरेलू उत्पाद में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सेवा क्षेत्र का ही रहता है एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में भी सेवा क्षेत्र का अहम स्थान है और इससे जुड़ी सर्विस पीएमआई के माह जुलाई 2023 के आंकड़े आ गए हैं। एसएंडपी ग्लोबल का इंडिया सर्विसेज पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई का स्तर जुलाई में 62.3 पर रहा है जो कि पिछले 13 वर्षों का उच्च स्तर है और इसके जरिए भारत के सेवा क्षेत्र में हो रहे शानदार विकास का पता चलता है। सेवा क्षेत्र से निर्यात भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) ने यह उम्मीद जताई है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत से सेवाओं का निर्यात 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरूआती आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत से सेवा क्षेत्र में निर्यात वित्तीय वर्ष 2021-22 के 254 अरब डॉलर से 42 प्रतिशत अधिक अर्थात 323 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। परिषद के चेयरमैन ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सेवा क्षेत्र से 300 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा गया था जबकि वास्तव में यह 323 अरब डॉलर का रहा है। कर संग्रहण के क्षेत्र में भी भारत में नित नए रिकार्ड बनाए जा रहे हैं। जुलाई 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 11 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित करते हुए 1.65 लाख करोड़ रुपए का रहा है, जो जुलाई 2022 माह में 1.49 लाख करोड़ रुपए का एवं जून 2023 माह में 1.61 लाख करोड़ रुपए का रहा था। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण के लिए 9.56 लाख करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी प्रकार, वित्तीय वर्ष 2022-23 से सम्बंधित आय कर रिटर्न दाखिल करने वाले नागरिकों की संख्या 31 जुलाई 2023 तक 6.77 करोड़ हो गई है, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 से सम्बंधित फाइल किए गए 5.83 करोड़ रिटर्न की तुलना में 16.1 प्रतिशत अधिक है। हर्ष का विषय यह है कि इस वर्ष 53.67 लाख नागरिकों ने पहली बार आय कर रिटर्न दाखिल किया है, अर्थात भारत में अब कर जमा करने के सम्बंध में जागरूकता बढ़ रही है एवं गरीब वर्ग अब मध्यम वर्ग की श्रेणी में आ रहा है। भारत में माह जुलाई 2023 में ऊर्जा का उपभोग 8.4 प्रतिशत बढ़कर 13,900 करोड़ यूनिट्स के स्तर को पार कर गया है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। भारत में आर्थिक गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही है यह इस बात से भी सिद्ध होता है कि भारत में बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों में जबरदस्त उछाल दृष्टिगोचर है। जून 2023 माह में बैकों के गैर खाद्यान ऋणों में 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि मई 2023 माह में 15.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। कृषि क्षेत्र में 20 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 27 प्रतिशत एवं उद्योग क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। साथ ही, जून 2023 माह में भारत के 8 मूलभूत क्षेत्रों द्वारा 8.2 प्रतिशत की वृद्धि अर्जित की गई है। स्टील उद्योग ने तो 21.9 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की है, वहीं कोयला एवं सिमेंट क्षेत्र में भी वृद्धि दर का आंकड़ा दहाई से भी अधिक का रहा है। 8 में से 7 क्षेत्रों में वृद्धि दर अच्छी रही है।

भारत इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में जापान को पीछे छोड़ते हुए आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश बन गया है। भारत द्वारा इस्पात के क्षेत्र में आयात को कम करके 34,800 करोड़ रुपये बचाए गए हैं क्योंकि भारत में लगभग 6 करोड़ टन कच्चे इस्पात की क्षमता को जोड़ा गया है। भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता वर्ष 2014-15 में 109.85 मीट्रिक टन थी जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 160.30 मीट्रिक टन हो गई है। इस प्रकार, अब इस्पात का कुल उत्पादन 88.98 मीट्रिक टन से बढ़कर 126.66 मीट्रिक टन हो गया है। भारत द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में लगातार प्राप्त की जा रही विभिन्न उपलब्धियों को दरकिनार करते हुए, भारत के बारे में भ्रांतियां फैलाई जाती रही हैं। जैसे, भारतीय कुछ नया करे तो उसे ह्यजुगाड़ह्ल कहा जाता है और चीन यदि कुछ नया करे तो ह्यरिवर्स इंजिनीयरिंग। पश्चिम का प्रत्येक कदम वैज्ञानिक है, परंतु भारतीय आयुर्वेद को हर बात सिद्ध करने की आवश्यकता होती है। पश्चिम का अधूरा अध्ययन भी साइन्स की श्रेणी में है, परंतु भारत के कई प्राचीन वैज्ञानिक तथ्य भी रूढ़िवादी माने जाते हैं। पश्चिमी विचारधारा में व्यक्ति की भावुकता के लिए कोई स्थान नहीं है, केवल तकनीकी के बारे में ही विचार किया जाता है। इसी प्रकार से भारत में बाल श्रम को लेकर पश्चिमी देशों द्वारा हो हल्ला मचाया जाता है किंतु उनके अपने देशों में कई प्रतियोगिताओं में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी भाग लेते हैं, परंतु उनकी दृष्टि में यह बाल श्रम की श्रेणी में नहीं आता है।

# छीजती संवेदनाएं और गुम होती बच्चियां!

समाज 21वीं सदी में विकास के नित्य नए आयाम गढ़ रहा है। किंतु आज भी वैश्विक पटल पर महिलाओं की स्थिति दयनीय है। हम क्यों इक्कीसवीं सदी में भी संविधान के मूल्यों समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय को अपनी जिंदगी का हिस्सा नहीं बना पाए हैं? क्यों अनेक नारीवादी आंदोलन के बावजूद स्त्री-पुरुष की समानता का तर्क यथार्थ का रूप नहीं ले सका? महिलाओं को लेकर हमारे देश में बहस होती रहती है, लेकिन वास्तविकता इसके उलट ही नजर आती है। आधी आबादी को पूरा हक दिलाने की थोथी राजनीति देश की महिलाएं आजादी के वक़्त से देखती आ रही हैं, लेकिन आजाद भारत में आज भी महिलाएं गुलामी की जंजीरों में ही बंधी हैं। महिलाओं के साथ भेदभाव तो उनके जन्म के पूर्व ही शुरू हो जाता है। ना जाने कितनी मासूम जिन्दगी को जन्म तक नहीं लेने दिया जाता है। अगर जन्म ले भी लेती है तो बेटों के समान शिक्षा नहीं दी जाती है। उन्हें बचपन से ही समझाया जाता है कि वह पराया धन है। एक मासूम सी जान को न जाने कितनी मौत मारा जाता है। कभी संस्कारों के नाम पर तो कभी रूढ़िवादी सोच के नाम पर! आज भी समाज महिलाओं को पिता और पति की सम्पत्ति के रूप में ही देख रहा है। नारी आज भी किसी की बहन, बेटी या पत्नी तो हो सकती है... पर शायद इंसान नहीं? आज भी समाज नारी को भोगविलास की वस्तु से आगे बढ़कर कुछ और देखना नहीं चाहता है। जब तक समाज इस ग्रसित सोच से आगे नही निकलेगा तब तक महिलाओं को उचित सम्मान नही मिल सकता। अजीब विडंबना है कि जिस देश में नारी को नारायणी की तरह पूजने की परम्परा है। उसी देश में नारी तिरस्कृत हो रही है। उसे समाज में सिर्फ भोगविलास की वस्तु भर समझा जा रहा है। ये कटु सत्य है कि आज भी समाज में नारियां गुमनामी के अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर हैं। ये कोई कोरी कल्पना भर नहीं है बल्कि पिछले 2 साल के आंकड़े बताते है कि बीते 2 सालों में करीब 13.13 लाख बेटी और महिलाएं गायब हुई हैं। यह डेटा एनसीआरबी यानी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो का है। यह सभ्य समाज के माथे पर कलंक तो है ही कि देश की 13 लाख महिलाएं लापता हो जाए और उनके लिए कोई फिक्रमंद ही न हो। यह हमारे प्रशासन की नाकामी नहीं तो और क्या है? भले ही हमारे संविधान का अनुच्छेद 14 से 18 तक में समानता के अधिकार की बात कही गई हो। लेकिन समाज में पितृसत्तात्मक सोच का वर्चस्व दिखाई देता है। जिस कारण से देश की महिलाएं समान हक के लिए अभी भी संघर्षरत है। ऐसी तमाम रिपोर्ट समय-समय पर प्रकाशित होती रही है, जिसके माध्यम से महिलाओं की दयनीय स्थिति बयाँ की जाती है। इन सबके बावजूद हम सामाजिक और मानवीय संवेदनाओं के स्तर पर कोई ठोस कदम उठाते हुए नजर नहीं आते।

एनसीआरबी की रिपोर्ट की माने तो देश में रोजाना 246 लड़कियां और 1027 महिलाएं गायब हो रही हैं। सोचिए जिस देश में महिला सुरक्षा के नाम पर बड़े बड़े ढकोसले किए जाते हो। कठोर कानून होने की बात कही जाती है, बावजूद इसके रोजाना 87 महिलाओं के साथ रेप हो जाता है और तो और सिर्फ मध्यप्रदेश में एक वर्ष के दौरान 13034 लड़कियां और 55704 महिलाएं गायब हो जाएं फिर स्थिति विकट मालूम पड़ती है। ऐसे में राज्य दर राज्य देखें तो बच्चियों के गायब होने का आंकड़ा विचलित और द्रवित करने वाला है, लेकिन सरकार किसी भी दल या झंडे तले चल रही हो। शायद ही सियासतदानों को इन गुम होती बच्चियों और महिलाओं की फिक्र है। फिक्र होती तो सिर्फ खानापूर्ति नहीं होती। कोई भी व्यक्ति एक राष्ट्र की अमूल्य निधि है। देश के विकास में हर व्यक्ति का अपना व्यक्तिगत और सामूहिक योगदान होता है। इन सबके बावजूद रहनुमाई व्यवस्था है। जो चिरनिद्रा में सोई है। जिसे लोकतंत्र में मततंत्र की उर्वरा फसल से लेना-देना है और उसके लिए एक व्यक्ति का 18 साल होना जरूरी है। फिर चाहें वो स्त्री हो या पुरुष, लेकिन गायब होने वालों में से अधिकतर लोकतांत्रिक व्यवस्था में तत्कालिक फायदा राजनीतिक दलों को पहुँचाने की स्थिति में नहीं होते। यही एक वजह है कि गुम होती बच्चियों के प्रति फिक्रमंद हमारी व्यवस्था और जिम्मेदार रहनुमा नहीं होते।

लोकतांत्रिक व्यवस्था का दुर्भाग्य कहिए या राष्ट्रवाद पर इठलाती रहनुमाई व्यवस्था का चौपटराज कि एक तरफ विगत कुछ वर्षों में लाखों बच्चियां गायब हो गई और हम भारत भाग्य विधाता गीत पर थिरकते ही रह गए। हुजूर ये वक्त आजादी के 75 बरस पर जश्न मनाने या थिरकने का नहीं, बल्कि सिहरन पैदा करने वाला है क्योंकि आजादी के इतने बसंत बीत जाने के बाद भी एक महिला, एक बच्ची का जीवन सुरक्षित नहीं है। सुरक्षित नहीं है संवैधानिक व्यवस्था में दिए गए अधिकार। सुरक्षित नहीं है किसी का जीवन, किसी का ख्वाब, किसी का वजूद! फिर किस बात का गुमान है हमारे लोकतंत्र के सिपह-सालार और संवैधानिक अधिकारों के झंडे-बरदार को? आप अपने बयानों में ही सबकुछ बेहतर, एकदम व्यवस्थित बताते रहिए, लेकिन कहीं न कहीं स्थिति विकट है उस समाज के लिए, उस परिवार के लिए, उन माता-पिता के लिए। जिसने मंगल और चांद पर पहुँचते भारत में अपनों को खो दिया। अपने सपनों को खो दिया। अपने जीवन के सहारे को खो दिया और अपने घर के चिराग को खो दिया।

# मेडिकल एण्ड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न, वर्तमान चुनौतिओ पर हुई चर्चा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार उत्तरप्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स असोसिएशन गाजीपुर इकाई द्वारा कौंसिल सब कमेटी मीटिंग सह स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन मिश्रबाजार स्थित राज मैरेज हॉल में हुआ बैठक को संबोधित करने हेतु राष्ट्रीय संगठन एफएमआरएआई के राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश संगठन यूपीएमएसआरए के प्रदेश सेक्रेटरी साथी शेषनाथ तिवारी मौजूद रहे, साथ ही प्रदेश सचिव साथी आर0एम0 राय व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य साथी मो0 अफजल सहित इकाई के सैकड़ों साथियों ने अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की। बैठक को संबोधित करते हुए साथी सुधीर राय, शिवम गुप्ता व मो0 अफजल ने कौंसिल सब कमेटी के संचालन हेतु आवश्यक प्रक्रिया पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और इकाई में कॉउंन्सिल सब कमेटी के साथियों को आपसी तालमेल बढ़ाते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने पर जोर दिया।

स्टेट सेक्रेटरी साथी आर0एम0 राय अपने संबोधन में कॉउंन्सिल सब कमेटी की उपयोगिता को रेखांकित किया। राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश सचिव साथी शेषनाथ तिवारी ने मुख्य रूप से दवा प्रतिनिधियों की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा करते हुए भारत सरकार द्वारा प्राप्त कानूनी अधिकारों पर विस्तार में जानकारी उपलब्ध कराई, उन्होंने बताया कि पिछले दिनों उत्तरप्रदेश सरकार मंत्री श्री बृजेश पाठक द्वारा सरकारी अस्पतालों में दवा प्रतिनिधियों पर रोक लगाने वाले बयान पर कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए संसद द्वारा प्राप्त कानूनों की जानकारी लेने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि हमारी पूर्ववर्ती व वर्तमान सरकारों द्वारा भी भारत के संविधान व कानून को दरकिनार कर दवा प्रतिनिधियों पर तरह तरह के शोषण को बढ़ावा देने की छूट दे रही हैं जिनका असर दवा प्रतिनिधियों के ऊपर अनैतिक स्थानांतरण, वेतन कटौती व बर्खास्तगी के रूप में देखा जा रहा है, उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में ट्रेड यूनियनों की भूमिका और स्वर्णिम इतिहास पर भी विस्तृत प्रकाश डाला उन्होंने बॉथक में मौजूद दवा प्रतिनिधियों के सवालात व विधिक जानकारियों पर उनके जवाब दिए। बैठक में मुख्य रूप से साथी ज्योतिभूषण, शिवम गुप्ता, आरपीएस यादव, आशीष राय, एम0पी0 राय, संजय कुमार, दिग्विजय यादव, हेमंत कुमार, हिम्मत राय, पंकज सिंह, एम0पी0 सिंह, अभिषेक तिवारी, राजू चौरसिया, मोहित गुप्ता, सुधीर राय, सौरभ राय, विकास वर्मा, हरिशंकर गुप्ता , सलीम खान, अहमद अंसारी, देव यादव, रईस आलम, अरविंद सिंह, विशाल जायसवाल, फहीम मोहसिनी, अनवर अली, मयंक श्रीवास्तव, रामजीत शर्मा, अम्बिकेश शुक्ला, राजेश श्रीवास्तव, राजकुमार, अमित श्रीवास्तव, राशिद अंसारी, ए0के0 जैन, सुनील राय, यशवंत तिवारी, हर्ष राय, प्रमोद ठाकुर, राजू पांडेय, दिग्विजय शर्मा, प्रमोद राजभर, पंकज ओझा इत्यादि सैकड़ो साथी मौजूद रहे। साथी विकास वर्मा व हरिशंकर गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साथी चंदन राय व संचालन साथी निकेत तिवारी ने किया।

## महिलाओं ने मशरुम उत्पादन, एवं मार्केटिंग के तौर तरीकों की ली ट्रेनिंग

प्रखर वाराणसी। महिला शक्ति द्वारा कृषक उत्पादक संगठन टिकरी वाराणसी मे महिला संगठनो की कृषक महिलाओं ने मशरुम उत्पादो पर विशेष बिचार बिमर्स हुआ जिससे महिलाओं ने कृषक उत्पादक संगठन टिकरी वाराणसी के प्रति आभार व्यक्त किया और

उत्पादन, एवं मार्केटिंग के तौर तरीको की ट्रेनिगं लिया जिसका शुभारंभ सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष एवं कृषक उत्पाद संगठन टिकरी के संरक्षक अनिल कुमार सिंह के साथ पौधरोपण कर शुरूआत कर किया, महिलाओं को स्वरोजगार हेतु मशरुम का उत्पादन एवं मार्केटिंग के साथ जैविक खेती,पशुपालन, तथा आर्गेनिक आगे भी इसतरह की ट्रेनिगं लेकर स्वावलंबी बनाने हेतु संकल्प लिया।ट्रेनिंग करा रही मशरुम विशेषज्ञ अनुपमा सिहं ने महिलाओ को स्वालम्बी बनाने हेतु कृषि के क्षेत्र मे नया आयाम स्थापित करने पर जोर दिया, इस ट्रेनिंग मे मुख्य रुप से कृषक उत्पादक संगठन के अध्यक्ष ई अमित सिंह, सचिव डा राम कुमार राय की भागीदारी रही।

## दानगंज बाजार में रात रोड ऐक्सिडेंट में मरे दो गौवंश को ग्राम प्रधान ने सुबह दफन कराया

प्रखर दानगंज वाराणसी ।चोलपुर बाजार रात में रोड ऐक्सिडेंट में दो गौवंश को किसी वाहन ने धक्का मार दिया। जिसमे दो गौवंश मर गए। बारिश के मौसम पशु पानी जमा होने की वजह से हाईवे और रोड पर ज्यादा दिख रहे हैं इसे प्रशासन को भी संज्ञान लेना चाहिए मरे हुए गौवंश बाजार के व्यापारी के दुकान के पास थे। जिसको देखते हुए बाजार के प्रधान शिवकुमार जायसवाल जी ने सुबह मौके पे जेसीबी मंगवाया और दोनो गौवंश को वहा से उठवा के ग्राम समाज के भूमि में गौवंश को दफन कराया। प्रधान शिवकुमार जी की बाजार के प्रति इस कार्य की व्यापारियों द्वारा सराहना की जा रही हैं।

## मिलान संस्था ने कार्यक्रम आयोजित कर शिक्षा, विकास तथा स्वास्थ्य के लिए किया जागरूक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लड़कियों के सुरक्षा, शिक्षा, विकास व स्वास्थ्य के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत मिलान संस्था द्वारा ग्राम सभा होरिलपुर बरेसर के पंचायत भवन पर रविवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गीत से हुआ। जिसमें समाज द्वारा महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कई सारे नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। ग्रामसभा बड़ेसर के प्रधान हरेंद्र शर्मा ने कहा कि लड़कियों द्वारा किया गया कार्य बहुत सराहनीय है। ऐसे कार्यक्रम को हर गांव में आयोजित किया जाना चाहिए तथा इसके लिए पहले से हैंड बिल द्वारा प्रचार-प्रसार भी करना चाहिए। कार्यक्रम में बोलते हुए महिला पुलिस रोली यादव ने सरकार द्वारा चलाई जा रही बहुत सारी योजनाएं जिसमें 112 नंबर, 1090 तथा अभ्युदय कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम का आयोजन मिलान संस्थान के होरिलपुर बरेसर की गर्ल आईकॉन अनु शर्मा एवं अर्चना कुशवाहा द्वारा किया गया। जिसमें इन्होंने 12 से लेकर 18 साल की लड़कियों को निशुल्क शिक्षा, उनका विकास और उनका आर्थिक सहयोग संस्था उद्देश्य है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी भीम राव प्रसाद ने लड़कियों के शिक्षा पर बल देना, लड़कियों को जागरूक करने और लड़कियों को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। जनसंख्या नियंत्रण पर भी बल देते हुए इसके फायदे नुकसान को समझाया। प्रेम शंकर मिश्रा ने कहा कि लड़कियों को आगे बढ़ाने के लिए समाज के साथ-साथ सरकार को भी आगे आना चाहिए। केवल कागजों में खानापूर्ति ना हो जमीन पर भी कार्यों की समीक्षा हो। समाजसेवियों से आग्रह किया कि समाजसेवी आगे आएं और महिलाओं को भी अगली कतार में आने के लिए आमंत्रित करें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बच्चियों द्वारा किए गए नाटक आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान उपनिरीक्षक रोहित द्विवेदी, आरक्षी अभय दूबे, गोपाल पाण्डेय, तारकेश्वर पाण्डेय, प्रधान सेराज अहमद मलिकपुरा, रैमल यादव, नागेश्वर गुप्ता, दीपक गुप्ता, रविंद्र कुशवाहा, गोवर्धन शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन शक्करपुर कला के पुर्व प्रधान चन्द्रप्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापित करके किया।

## स्वाट/सर्विलांस व भुड़कुड़ा पुलिस ने किया 27 जुलाई को हुई हत्या का सफल अनावरण, 3 गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक भुड़कुड़ा तारावती यादव मय हमराह व स्वाट/सर्विलांस टीम की मदद से थाना भुड़कुड़ा अन्तर्गत ग्राम रामबन में दिनांक 23 जुलाई 23 की रात्रि में गोविन्द चौहान की गोली मारकर हुयी हत्या, जिसके सम्बन्ध में मृतक के पुत्र अरविन्द चौहान द्वारा दिनांक 23 जुलाई 23 को 02 ब्यक्तियों के खिलाफ नामजद थाना भुड़कुड़ा पर धारा 302, 506 पंजीकृत कराया गया था। जिसमें वादी मुकदमा के बयान के आधार पर नामजद हवलदार चौहान पुत्र देवप्रसाद चौहान निवासी रामबन थाना भुड़कुड़ा गाजीपुर को दिनांक 24 जुलाई23 को ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा चुका है । प्रकरण की अत्यधिक गहनता से जांच तथा विवेचना से ज्ञात हुआ कि मृतक गोविन्द चौहान उपरोक्त का छोटेलाल चौहान पुत्र रामअधार चौहान निवासी ग्राम जखनियाँ गोविन्द थाना भुड़कुड़ा जनपद गाजीपुर के साथ मकान/जमीन का विवाद चल रहा था, जिसको

लेकर छोटे लाल उपरोक्त ने अपने दो अन्य साथियों मनोज यादव पुत्र इन्द्रदेव यादव निवासी ग्राम अलीपुर मदरा मंझरिया थाना भुड़कुड़ा जनपद गाजीपुर तथा बबलू उर्फ राजेश राम पुत्र स्व0 पंचम राम निवासी ग्राम पदुमपुर मैगरराय (लहुराघर) थाना भुड़कुड़ा जनपद गाजीपुर जो आपराधिक प्रवृत्ति के है जिन पर पूर्व में भी आपराधिक मुकदमें पंजीकृत है, के साथ मिलकर मृतक उपरोक्त की गोली मारकर हत्या कर दी । उपरोक्त तत्थों की प्रकाश में छोटे लाल चौहान व घटना में शामिल उसके दो उपरोक्त साथियों को मुखबिर की सूचना पर शनिवार को देर शाम सवा दस बजे चौजा पुल से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में तारावती यादव प्रभारी निरीक्षक थाना भुड़कुड़ा जनपद गाजीपुर मय टीम, स्वाट/सर्विलांस टीम जनपद गाजीपुर के सदस्य शामिल रहे।

## जौनपुर का तीन रेलवे स्टेशन बनेंगे वर्ल्ड क्लास : सीमा द्विवेदी

प्रखर जौनपुर। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 508 रेलवे स्टेशन के कायकल्प कार्य का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना को ऑनलाइन लॉन्च किया। एक साथ देशभर के 508 स्टेशनों के नवीनीकरण वाली इस योजना के लिए स्टेशनों पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। इसी क्रम में जौनपुर में जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में शिलान्यास का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम कि मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी रही और विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य मंत्री स्वतन्त्र प्रभार गिरीश यादव और विधायक बादलपुर रमेश मिश्रा उपस्थित रहे। भाजपा कार्यकर्ता और आमजनमानस ने बड़ी सी दो एलईडी स्क्रीन पर वर्चुअल उद्घाटन और रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव एवं प्रधानमंत्री मोदी जी के उद्बोधन को सुने। उसके उपरान्त मुख्य अतिथि सीमा द्विवेदी ने जौनपुर जंक्शन पर लगे शिलापट्ट पर से पर्दा हटाकर शिलान्यास किया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सीमा द्विवेदी ने कहा कि रेलवे स्टेशनों को शहर के सिटी सेंटर के रूप में विकसित किए जाएंगे, रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना के तहत जौनपुर में तीन स्टेशन सहित देश के 1275 स्टेशन का चयन किया गया है। वहीं शुरूआती तौर पर फिलहाल 508 रेलवे स्टेशन को शामिल किया गया है, स्टेशन में रूफ प्लाजा, शापिंग जोन, फूड कोर्ट, चिल्ड्रन प्ले एरिया जैसी सुविधाएं होगी और स्टेशन में अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार बनाए जाएंगे, उसमें मल्टी-लेवल पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर,

ट्रेवलेटर, एग्जीक्यूटिव लाउंज, वेटिंग एरिया की सुविधा होगी, रेलवे स्टेशनों में दिव्यांगों के अनुकूल सुविधाएं दी जाएगी। इन रेलवे स्टेशन में उत्तर प्रदेश के 55 और जौनपुर के तीन रेलवे स्टेशनों को शमिल किया गया है। इस अमृत भाारत योजना के तहत देश के रेलवे स्टेशन का कायाकल्प कर उन्हे वर्ल्ड क्लास बनाया जाएगा। केंद्र सरकार ने भारत के रेलवे स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास बनाने के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' बनाई है। केंद्र सरकार की ओर से फरवरी 2023 में राज्यसभा में दी गई जानकारी के अनुसार इस योजना के लिए देश के 1275 रेलवे स्टेशनों का चयन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इनमें से 508 रेलवे स्टेशन के कायाकल्प कार्य का उद्घाटन किया। 25 हजार करोड़ रुपये की लागत से इन सभी 508 रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाया जाएगा। राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यात्रियों को राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान की जाएगी। जिसमें वेटिंग हाल, फ्री वाई फाई, कियोस्क जैसी सुविधाओं को शामिल किया गया है। स्टेशन पहुंच मार्ग का विस्तार किया जायेगा, आधुनिक शौचालय का निर्माण होगा आवश्यकतानुसार लिफ्ट और एस्केलेटर बनाये जायेंगे।

## परिवार परामर्श केंद्र में प्रस्तुत हुए 25 विवाद, 17 परिवार हुए एक दूजे के

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। परिवार परामर्श केंद्र गाजीपुर द्वारा पुलिस लाइन्स गाजीपुर के प्रांगण में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के कुशल निर्देशन में 25 परिवारिक विवाद प्रस्तुत हुए । इनमें कविता सिंह यादव पत्नी अवधेश सिंह यादव निवासी गोरी खास गिरधारी थाना भावरकोल गाजीपुर की शिकायत थी कि दहेज के लिए उसके पति व ससुराल पक्ष के लोग हमेशा उसके साथ मारपीट करते हैं इस पर दोनों पक्षों को समझा कर विदाई करवाई गई। बंदना यादव पत्नी संजय यादव निवासी मैनपुर थाना करंडा गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति का अवैध संबंध उसके पड़ोसी से है जिसके कारण हमेशा विवाद होता रहता है इस पर दोनों पक्षों को समझा कर विदाई करवाई गई। नीतू देवी पत्नी रामवृक्ष राम निवासी सुरहूरपुर थाना केराकत जौनपुर की शिकायत की उसके पति व ससुराल पक्ष के लोग अकारण ही उसके साथ मारपीट करते रहते हैं, इस पर दोनों पक्षों को समझा कर विदाई करवाई गई। नीलम चौहान पत्नी रामचंद्र चौहान निवासी बरहरा थाना नंदगंज गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति शारीरिक बनावट को देख कर उसे नापसंद करते रहते हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई। किरण गुप्ता पत्नी संदीप शाह निवासी व थाना जंगीपुर गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति दहेज के लिए उसके साथ हमेशा मारपीट करते रहते हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई। पूनम देवी पत्नी अशोक राम निवासी ब्राम्हण पूरा थाना करंडा गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके चरित्र पर हमेशा शंका करते रहते हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई। गायत्री देवी पत्नी राजू बनवासी निवासी भंवरी थाना नोनहरा गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके माता पिता को हमेशा गाली देते रहते हैं जिसके कारण दोनों लोगों में मनमुटाव रहता है इस पर दोनों पक्ष को समझा कर विदाई करवाई गई।

इंदु यादव पत्नी अरविंद यादव निवासी कटघरा थाना शादियाबाद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति व ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए उसके साथ मारपीट करते रहते हैं जिस पर दोनों लोगों को समझा कर विदाई करवाई गई। किरण देवी पत्नी अरमान निवासी फुल्ली नटपुरवा थाना दिलदारनगर गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके चरित्र पर हमेशा शंका करते रहते हैं इस पर पति को समझ कर विदाई करवाई गई। पुष्पा यादव पत्नी रविंद्र यादव निवासी सोनाकोर थाना मरदह गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति शराब पीकर हमेशा उसे मारते पीटते रहते हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई। ममता चौहान पत्नी कृष्णा चौहान निवासी बरोड़ा थाना साहबगंज जिला चंदौली की शिकायत थी कि उसके पति उसे खर्च के लिए कुछ सहयोग नहीं करते हैं जिसके कारण उसके बच्चे कुपोषण के शिकार हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई। सुनीता पाल पत्नी सुदर्शन पाल निवासी कटेया थाना शादियाबाद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति हमेशा उस से दूरी बनाए हुए हैं उनका संबंध उनकी भाभी से है इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई। शालिनी मोदनवाल पत्नी विजय प्रकाश उर्फ रिंकू निवासी अंबारी थाना फूलपुर जिला आजमगढ़ की शिकायत थी कि उसके पति दहेज के लिए हमेशा उसके साथ मारपीट करते रहते हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई। मीरा कुमारी पत्नी श्रवण कुमार निवासी कमल पट्टी थाना कासिमाबाद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति और ससुराल पक्ष के लोग उसके कार्य करने की गतिविधि पर हमेशा उसे डांटते रहते हैं इस पर ससुराल पक्ष के लोगों को समझा कर विदाई करवाई गई। संजू कुमारी पत्नी विकास राम निवासी बरुइन थाना जमानिया गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति मोटरसाइकिल व अंगूठी के लिए उसके साथ मारपीट करते रहते हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई। रोजी बानो पत्नी इरशाद मियां निवासी ओसियां थाना दिलदारनगर गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसे पढ़ाना नहीं चाहते हैं जबकि वह बीटीसी में नामांकन करा ली है इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई। मधुबाला पत्नी सोनू कुमार निवासी भुगनी थाना भीमपुरा बलिया की शिकायत थी कि उसके पति का अवैध संबंध उसके पड़ोसी चाची से है इस पर जब मैं विरोध करती हूं तब वह मेरे साथ मारपीट करते हैं इस पर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। 3 पारिवारिक विवाद में दोनों पक्ष उपस्थित नहीं थे 3 पारिवारिक विवाद में जबकि एक पक्ष उपस्थित था। कुशलता के बाद दो पारिवारिक विवाद बंद कर दिए गए हैं इन सभी प्रकरण के निस्तारण में सोनिया सिंह, सरिता गुप्ता, वीरेन्द्र नाथ राम, महिला हेड कांस्टेबल अनीता सिंह, महिला आरक्षी रोली सिंह, आरक्षी आलेश कुमार, महिला आरक्षी सुनीता गिरी, महिला होमगार्ड उमीर्ला गिरी, पीआरडी गीता सिंह आदि लोग प्रमुख रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### पीयू परिसर की सेमेस्टर परीक्षा 10 अगस्त से

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर परिसर के इंजीनियरिंग संस्थान, प्रबंध अध्ययन संकाय, विज्ञान संकाय, फामेर्सी संस्थान एवं रज्जू भैया संस्थान की यूजी/पीजी की सम सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 अगस्त 2023 से फामेर्सी विभाग में आयोजित की जा रही है । विश्वविद्यालय वेबसाइट पर परीक्षा समय सारणी अपलोड कर दी गई है। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक बीएन सिंह द्वारा दी गई है ' परीक्षा की निगरानी अजीत प्रताप सिंह, सहायक कुलसचिव करेंगे । इस बार परीक्षा कराने की जिम्मेदारी डॉक्टर शशिकांत यादव, भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग डॉ विनय वर्मा फामेर्सी संस्थान को दी गई है।

### प्रदेश के राशन डीलरो के साथ सौतेला व्यवहार बर्दाश्त नहीं करेंगे : राजेश तिवारी

प्रखर जौनपुर। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष राजेश तिवारी ने एक कार्यक्रम में बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के 80000हजार राशन डीलरो के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।हर प्रदेशों में 200-300रुपए कमीशन है। कई प्रदेश में मानदेय भी है। लेकिन उत्तर प्रदेश में केन्द्र सरकार द्वारा सिर्फ 90रुपए कमीशन दिया जाता है। जो हर प्रदेश से कम है।जबकि हमारे प्रदेश में सबसे अच्छा वितरण है। 16 करोड गरीब जनता को कोटेदार खाद्यान्न वितरण करता है।वह भी ई पोश मशीन से सबकुछ आईने की तरह साफ है।फिर भी हम लोग सरकार की निगाह में गलत है। लेकिन यह अब बदार्शत नहीं किया जायेगा। नवंबर माह में लखनऊ में बडा आन्दोलन किया जायेगा इस बार करो मरो की लड़ाई लड़नी है। नवंबर के कार्यक्रम के एक बैठक जल्द लखनऊ में शीर्ष पदाधिकारियों का किया जायेगा।

### प्लास्टिक बैग को बच्चों ने कहा 'गुड बाय'

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के उच्च प्राथमिक विद्यालय रमईपट्टी में शनिवार को नो बैग डे के अवसर पर विविध गतिविधियों के साथ प्लास्टिक का प्रयोग नही करने का संकल्प लिया। प्लास्टिक बैग की भयावहता से बच्चों को अवगत कराते हुए सहायक अध्यापक कमलेश कुमार पाण्डेय ने गतिविधि आधारित शिक्षण के दौरान बच्चों से कागज के बैग बनवाते हुए बताया कि प्लास्टिक के कचरे को कम करने के लिए पेपर बैग एक बेहतरीन विकल्प है। इसके कई फायदे हैं जैसे पेपर बैग पर्यावरण के अनुकूल है।पेपर बैग फैशनेबल भी होता है। पेपर बैग आम व्यक्ति भी बना लेगा। पेपर बैग सामान्य से अधिक मजबूत होते हैं और इसमें अधिक सामान रखे जा सकते हैं।पेपर बैग का पुनर्चक्रण करना व विघटित करना आसान होता है।बच्चों के निर्मित समूहों में परिचर्चा के दौरान पेपर बैग के फायदे और प्लास्टिक बैग के नुकसान पर बच्चों ने प्रस्तुतिकरण दिया। बाल संसद की प्रधानमंत्री शशि यादव कक्षा-8 ने कार्यशाला के अंतिम चरण में साथियों को संबोधित करते हुए बताया कि पेपर बैग का विघटन 25 से 30 दिन के बीच हो जाता है। जबकि प्लास्टिक बैग के विघटन में 400 से 1000 वर्ष तक का समय लग जाता हैं। इस दौरान यह मिट्टी को प्रदूषित करता रहता है जिसका जीव जगत पर बहुत ही हानिकारक प्रभाव पड़ता है। इसी के सात तरह की अन्य गतिविधियों बच्ची ने की।

### सपाइयों ने मनाया छोटे लोहिया स्व. जनेश्वर मिश्र की जयंती

रसड़ा ,बलिया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री छोटे लोहिया स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की 81वीं जयंती समारोह शनिवार को स्थानीय गांधी पार्क में मनाई गई। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भारतीय सहकारी बैंक लिमिटेड दिल्ली के डायरेक्टर चंद्रशेखर सिंह ने जनेश्वर मिश्र के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनेश्वर मिश्र सादगी व ईमानदारी के प्रतीक थे। संघर्ष ही उनका जीवन था।इस अवसर पर उत्तीर्ण पांडे, शिवजी तिवारी, दीनानाथ सिंह, हरेराम राजभर, शिवजी सिंह, लल्लन यादव, पुरूषोत्तम यादव आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता बलवंत सिंह व संचालन विजय शंकर यादव ने किया।

### प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की सब्सिडी के लिए अपने बैंक खाते से लिंक कराएं आधार कार्ड

बलिया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत जिले में कुल-2052860 गैस कनेक्शन निर्गत किये गए है। जिसमें 189557 उज्ज्वला लाभार्थियों को सब्सिडी का भुगतान उनके आधार लिंक खातों में किया जा रहा है, अवशेष 15711 उपभोक्ताओं को अन्य माध्यम अर्थात बैंक कैश ट्रांसफर कंप्लाइन्ट के माध्यम से सब्सिडी का अंतरण किया जा रहा है। जिले में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनातर्गत आच्छादित लाभार्थियों से अपेक्षा करते हुए जिला पूर्ति अधिकारी रामजतन यादव ने बताया है कि उनके द्वारा एलपीजी वितरक को उपलब्ध कराए गए बैंक खाता जिसमें उन्हें उच्च सब्सिडी प्राप्त होता है, को आधार से लिंक करा लें, जिससे कि उन्हें सुगमता पूर्वक उनके सब्सिडी की धनराशि उनके खाते में प्रेषित किया जा सके।

### पूर्वदशम छात्रवृत्ति से संबंधित मास्टर डाटाबेस तैयार करना, सत्यापन एवं ऑनलाइन आवेदन करने के लिए समय-सारणी जारी

बलिया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आशुतोष पांडेय ने बताया है कि शैक्षिक सत्र 2023-24 में पूर्व दशम छात्रवृत्ति (कक्षा 9-10) कक्षा से संबंधित मास्टर डाटाबेस तैयार करने, सत्यापन करने एवं छात्रों को ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन से वितरण तक की निर्गत समय-सारणी के अनुसार किया जाएगा। जिसमें विद्यालय द्वारा मास्टर डाटा तैयार करना 07 अगस्त से 08 सितंबर तक, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सत्यापन 08 अगस्त से 10 अक्टूबर तक, छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 10 अगस्त से 10 अक्टूबर तक, छात्र-छात्राओं द्वारा त्रुटियों को सुधार कर फाइल को प्रिंट आउट निकालने से पूर्व तीन कार्य दिवसों में जमा करना होगा। छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकॉपी समस्त वांछित सलग्नको सहित विद्यालय में जमा करना, आवेदन पत्र भरने के सात दिन के अंदर विलंबतम 13 अक्टूबर तक, छात्र/छात्रा के समस्त विवरण का विद्यालय द्वारा मिलान एवं ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना, अपात्र छात्रों द्वारा डाटा निरस्त करना तथा पात्र छात्रों का आवेदन ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करना 14 अगस्त से 17 अक्टूबर तक, जनपद स्तरीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति द्वारा संदेहास्पद एवं शुद्ध डाटा के संबंध में निर्णय लिया जाना एवं पात्र छात्रों की छात्रवृत्ति स्वीकृत करना तथा जनपद स्तर विभागीय अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर से शुद्ध डाटा लॉक किया जाना 01 नवंबर से 20 दिसंबर तक, जनपद स्तर विभागीय अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर से लाक डाटा के आधार पर एनआईसी की राज्य इकाई से मांग सृजित करना 26 दिसंबर तक एवं जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर से लाक डाटा के आधार पर पीएफ एमएस प्रणाली के माध्यम से छात्र-छात्राओं को धनराशि का भुगतान किया जाना 29 दिसंबर तक निर्धारित किया गया है।

## स्टंटमैन पिता की लेगेसी

पिता पुत्र की ऐसी जोड़ी जिसने फिल्म इंडस्ट्री पर अपनी जबरदस्त पकड़ बनाकर रखी। एक्शन कोरियोग्राफर वीरू देवगन ने अपने करियर में 200 से अधिक फिल्में कीं। उन्होंने अपने पीछे प्रभावशाली लेगेसी छोड़ी, जिसे उनके बेटे अजय देवगन संभल रहे है। वह बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टारों में से है और 3 दशकों से इंडस्ट्री पर राज कर रहे है। शाम कौशल गौरवान्वित पिता है क्योंकि उनके दोनों बेटे, विक्की और सनी ने इंडस्ट्री में नाम रोशन किया, शाम एक्टिव है पीएस 1 और पद्मावत जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म का हिस्सा भी रह चुके है। उन्होंने विक्की की संजू के साथ-साथ सनी की द फॉरगॉटन आर्मी पर भी काम किया। जय सिंह निज्जर ने बॉलीवुड के बड़े-बड़े सितारों के साथ एक्शन कोऑर्डिनेटर के तौर पर काम किया है। चेन्नई एक्सप्रेस, सिंघम रिटर्न्स, खिलाड़ी 786 और कई अन्य फिल्मों के साथ, वह अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ में से है।

## फ्रेडी दारूवाला हैं तैयार

फ्रेडी दारूवाला ने पिछले कुछ वर्षों में हॉलिडे, फोर्स 2 और रेस 3 जैसी फिल्में और वेब-शो में दमदार परफॉर्मेंस दिए है। अब अभिनेता अपनी नई पारी शुरू करने के लिए तैयार है, वे आइना फिल्म में नजर आएंगे। फ्रेडी कहते है, ''जब मैंने आईना की कहानी पढ़ी तो मुझे लगा कि यह शक्तिशाली और मार्मिक कहानी है। कहानी आतंकवाद में बच्चों के वैश्विक मुद्दे और आघात के बाद के प्रभावों को छूती है। वह कहते है, ''मुझे पता था कि मै इसे छोड़ नही सकता। सेट पर हर दिन मुझे नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता था।'' यह उनका पहला अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट है, फ्रेडी बताते है कि वहां काम करने का उनका अनुभव भारतीय फिल्म पर काम करने से कुछ ज्यादा अलग नहीं था। ''बेशक, इसमें गाना और डांस कम है, परंतु सेट पर मौजूद विभिन्न संस्कृति के लोगों से बहुत कुछ नया सीखने को मिला। हमारे पास मार्क्स मेरिड्ट, जर्मन निर्देशक, ऋचा चड्ढा, बॉलीवुड स्टार और विलियम मोसले, प्रतिष्ठित ब्रिटिश अभिनेता है। ''

## वर्धन कमरे में 10 दिन रहे

वर्धन पुरी ने रोमांटिक र्लिर फिल्म ये साली आशिकी से बॉलीवुड डेब्यू किया था और उनकी

दूसरी फिल्म असेक आई। वर्धन कई प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसमे कुणाल कोहली की आगामी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म भी शामिल है। इसमें नवोदित अभिनेत्री कावेरी कपूर नजर आएंगी,जो फिल्म निर्माता शेखर कपूर और सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी है। फिल्म का नाम बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी है, इसे इंग्लैड और वेल्स में शूट किया गया है। शूटिंग से पहले वर्धन को 10 दिनों के लिए होटल के कमरे में क्वारंटाइन किया गया था, समय को व्यर्थ नही करते हुए वर्धन, कुणाल और कावेरी के साथ अपने किरदार की तैयारी और रीडिंग पूरी की थी। वर्धन के पास विवेक रंजन अग्निहोत्री की अगली फिल्म भी है, जिसमें वह अनुपम खेर, दिवंगत सतीश कौशिक और पल्लवी जोशी जैसे स्टार दिग्गजों के साथ दिखाई देंगे।

## जीते ने बढ़ाई उत्सुकता

2001 में, सनी देओल और अमीषा पटेल ने 'गदरः एक प्रेम कथा' हिंदी सिनेमा में सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से थी। उत्कर्ष शर्मा बतौर बाल कलाकार फिल्म में सनी और अमीषा के बेटे का किरदार निभाया था। गीत 'उड़ जा काले कावा' का नया संस्करण लॉन्च करने के बाद, एक और गाना 'खैरियत' रिलीज़

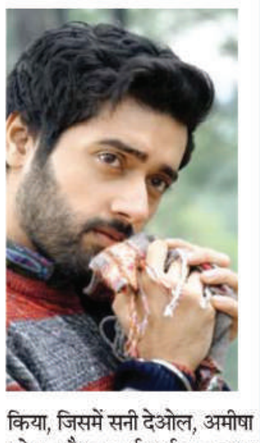

किया, जिसमें सनी देओल, अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा नज़र आ रहे है। 'खैरियत' में उत्कर्ष का किरदार जीते है और ऑन-स्क्रीन पिता और मां - क्रमशः सनी देओल और अमीषा पटेल के साथ उनकी केमिस्ट्री दिलचस्प है। वे कहते है ''यह 'गदर 2' का पहला मूल ट्रैक है और मूल रूप से फिल्म का भावनात्मक हिस्सा है। इसमें मंत्रमुग्ध गीत है और सनी, अमीषा और उत्कर्ष सहित फिल्म के तीन महत्वपूर्ण पात्रों के इर्द-गिर्द घूमती है। उत्कर्ष कहते है- यह गाना मिथुन सर (संगीतकार) के स्टूडियो में सुना था, जब वह इसे कीबोर्ड पर बजा रहे थे तो मै इससे पूरी तरह से जुड़ गया था। अरिजीत सिंह की आवाज़ ने इस गाने में जान डाल दी है।

## मेग 2ः द ट्रेंच पेंसिल से शुरू हुई -बेन व्हीटली

''मेग 2ः द ट्रेंच'' ब्लॉकबस्टर, द मेग को सुपरसाइज़ है और फिल्म का निर्देशन बेन व्हीटली ने किया है। उनकी यात्रा अराजकता में बदल जाती है, जब माइनिंग ऑपरेशन खतरा बनकर मंडराने लगता है और उन्हें अपने अस्तित्व को बचाने के लिए कड़ी लड़ाई लड़ने को मजबूर कर देता है। बेन व्हीटली कहते है, ''शार्क की पूरी कहानी पेंसिल से शुरू हुई, मै यूँ ही बैठकर चित्र बना रहा था और सोच रहा था कि वास्तव में क्या देखना मजेदार होगा मै हमारे स्टोरीबोर्ड आर्टिस्ट, जेक लंट डेविस के पास गया और हमने साथ मिलकर तय किया कि सीक्वेंस क्या होगा।

## कमांडो को देखने के लिए तैयार

'अपने पीछे भाई को कभी मत छोड़ो', नया कमांडो प्रेम देशभक्ति की भावना को साकार कर रहा है, दमदार सीरीज 'कमांडो' विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित और निर्देशित तथा रचित डिज्?नी+ हॉटस्?टार पर 11 अगस्?त को रिलीज होगी। जघन्?य योजना और जैविक-युद्ध के बीच जूझ रहा कमांडो प्रेम अपने देश और अपने भाई कमांडो को बचाने के लिये मिशन छेड़ता है। इसमें अदा शर्मा, वैभव तत्ववादी और श्रेया सिंह चौधरी, अमित सियाल, मुकेश छाबड़ा और इश्तियाक खान है। विपुल ने कहा, ''कमांडो देश के असली नायक है और उनके नायकत्?व को पर्दे पर लाना हमेशा बड़े सम्मान और खुशी की बात रही है। प्रेम की पेशकश का सफर बेहतरीन था। बल्कि रोमांस और इमोशंस में भी शानदार है। 'कमांडो' के लिये ऐक्?शन को डिजाइन करना सबसे कठिन था।''

## 'जोराम' ने जीत दर्ज की

मनोरंजक ड्रामा 'जोराम' ने डरबन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहचान हासिल की है। फिल्म ने दो प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतेः मनोज बाजपेयी के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' और पीयूष पुती के उल्लेखनीय काम के लिए 'सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी'। यह जीत 'जोराम' को सच्ची सिनेमाई उत्कृष्ट कृति के रूप में स्थापित करती है। अपनी असाधारण कहानी कहने, उत्कृष्ट प्रदर्शन और लुभावनी सिनेमैटोग्राफी के साथ, 'जोराम' ने वैश्विक सिनेमाई परिदृश्य पर स्थायी प्रभाव छोड़ा है, जो दुनिया भर के दर्शकों के बीच गूंजता है।

## मार्टिन एक्का के रूप में लौटे दिब्येंदु

मनोरंजक वेब श्रृंखला ''महारानी'' में दिब्येंदु भट्टाचार्य मार्टिन एक्का के रूप में दूसरी यात्रा शुरू कर रहे है। पिछले सीज़न की सफलता के बाद, ''महारानी 3'' सस्पेंस, ड्रामा और अप्रत्याशित मोड़ की रोलर-कोस्टर सवारी पर ले जाने के लिए तैयार है। दिब्येंदु कहा, ''मार्टिन एक्का के स्थान पर कदम रखना बेहद खुशी की बात है। यह किरदार हमेशा मेरे साथ जुड़ा रहा है, मै इस बार उसके सामने आने वाले नए आयामों और चुनौतियों का पता लगाने के लिए उत्सुक हूं।

# अनकहा सा रिश्ता

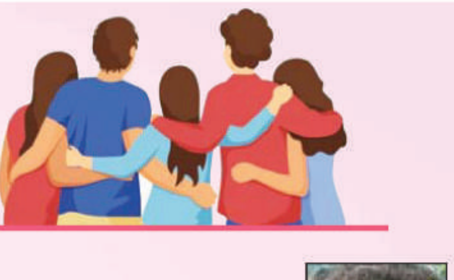

**सच्ची दोस्ती खूबसूरत और फायदेमंद बॉन्ड है, जो अच्छे और बुरे दोनों समय में हमारे जीवन को रोशन करती है। चाहे आपका बेस्ट फ्रेंड हो या करीबी दोस्तों का समूह, वे आपके दिल में खास जगह रखते हैं। कलाकारों ने फ्रेंडशिप डे के बारे में यादें साझा की-**

अंजलि तत्रारी - मेरे लिए यह रिश्ता दोस्ती के पारंपरिक अर्थो से परे है। फ्रेंडशिप डे उस अटूट रिश्ते का जश्न मनाने का दिन है ,जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। मैं काफी भाग्यशाली हूं।

मोहित कुमार - सच्चे दोस्त हमेशा मौजूद रहते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। वे ही हैं जो आपके गिरने पर संभालेंगे और आपके साथ आपकी सफलताओं का जश्न मनाएंग।

कावेरी प्रियम - मुझे कुछ शानदार दोस्तों से मिलने और उनसे दोस्ती करने का सौभाग्य मिला और हमने मजबूत सिस्टरहुड बनाया, जो हर दिन दोस्ती का जश्न मनाता है।

हेमा सूद - हमारे बीच का बंधन और विश्वास अद्भुत है, मैं अपने दोस्तों के साथ लंच करने की योजना बना रही हूं क्योंकि यह हमारे बीच के इस प्यार बंधन का जश्न मनाने का दिन है।

पारस अरोड़ा - मैं भाग्यशाली हूं। हम साथ मिलकर हर तरह से एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और बेहतर बनने में एक-दूसरे की मदद करते हैं।

अदिति सानवाल - सच्ची दोस्ती प्यारा और फायदेमंद रिश्ता है, जो सुख और दुख दोनों समय में हमारे जीवन में खुशी लाता है। दोस्ती की इस सच्ची ताकत के कारण, हम बहुत सुंदर यादें बना पाते हैं। दोस्ती की प्यारी भावना को सलाम, जो हमारे जीवन में खुशियां बढ़ा रही है!

ऐश्वर्या खरे - दोस्ती जिंदगी के सबसे खास रिश्तों में से होती है क्योंकि यह वो रिश्ता है, जिसे हम शुद्ध प्यार से चुनते हैं। मैं बेस्ट फ्रेंड्स के कॉन्सेप्ट में विश्वास नहीं करती, मेरे कई करीबी दोस्त हैं, जो मुझे समझते हैं और मुझे काफी सालों से जानते हैं।

अदिति शर्मा - दोस्ती का जश्न मनाने के लिए हमें किसी खास दिन की जरूरत है, क्योंकि यह ऐसी चीज है, जो बाकी जरूरी चीजों की तरह ही हमारी ज़िंदगी का हिस्सा है। मैं अपने दोस्तों से बात किए बिना एक दिन भी नहीं गुजार सकती। मेरे दोस्त मेरे लिए बहुत जरूरी हैं, चाहे मैं कितनी भी व्यस्त क्यों न रहूं। मेरी मां भी मेरी सबसे अच्छी दोस्त हैं।"

आस्था शर्मा - "मेरे पिता मेरे पहले बेस्ट फ्रेंड हैं। वह पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें मैं किसी मुसीबत में होने पर कॉल करती हूं या मेरे लिए मायने रखने वाली किसी चीज पर राय मांगती हूं। मेरे पिता की व मेरी अपनी बोली हैं और चुटकुले होते हैं।

गरिमा किशनानी - धवन और मेरे बीच बहनों जैसा रिश्ता है, जो काम से परे भी है। हमने खुद में कोई समझौता किए बिना इसे बेहतर बनाया। जब हम असहमत होते हैं, तो भी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।

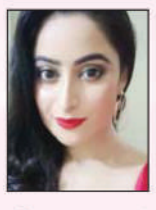

ऐश्वर्या शर्मा - मेरे पति नील मेरे सबसे अच्छे दोस्त हैं। हमारे बीच लाखों बातें समान हैं, जिससे हमें एक-दूसरे में ऐसा अकथनीय संबंध मिला, जिसने हमारे जीवन को असाधारण बना दिया है। वह मुझे मिले, अब तक सबसे अधिक परवाह करने वाले व्यक्ति हैं, और वह दूसरों की ज़रूरतों के प्रति बहुत संवेदनशील है।

शिव ठाकरे - मैं दोस्ती को बहुत महत्व देता हूं और डेज़ी शाह उनमें से हैं। डेज़ी औपचारिक है लेकिन हमने साथ लंच किया, रील बनाने का आनंद लिया और एक-दूसरे का समर्थन किया।"

कृष्णा कौल - अपर्णा मिश्रा मेरी सबसे अच्छी दोस्तों में से है और वो मुझे सपोर्ट करती हैं। जब भी मैं उदास होता हूं तो वो मुझे संभालती हैं, मुझे हंसाती हैं और बिना कोई शिकायत किए मेरी बात सुनने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं।

बसीर अली - स्कूल और कॉलेज में जो दोस्त बनाते हैं, वो हमेशा साथ होते हैं। वक्त तेजी से गुजरता है और वक्त के साथ बहुत कुछ बदल जाता है लेकिन जो चीज नहीं बदलती, वो है रिश्ता। हमारे बीच अटूट रिश्ता है, दोस्ती खूबसूरत तोहफा है और मैं शानदार दोस्तों को पाकर आभारी हूं।

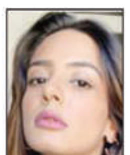

निक्की शर्मा -मेरे दोस्त मेरे लिए बहुत कीमती हैं और हम हमेशा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहने में यकीन रखते हैं। रिश्ते चाहे किसी भी तरह के हों, उन्हें निभाना आसान नहीं है, हालांकि दोस्ती सबसे कम निभाया जाने वाला रिश्ता है। मुझे दोस्तों के बीच यह अनकहा रिश्ता बड़ा अच्छा लगता है।

**श्रेनु पारिख -दोस्त वो परिवार हैं, जिन्हें हम खुद चुनते हैं। यह किसी भी खून के रिश्तों से नही बंधा है, बल्कि इसमें सिर्फ शुद्ध प्रेम है। मेरी ज़िंदगी में ऐसे दोस्त हैं, जो मेरे परिवार की तरह हैं। दोस्त वही हैं, जो जिंदगी के उतार-चढ़ाव में आपको राह दिखाते हैं।**

## टीवी

# दीपशिखा करती हैं प्रैंक

**दीपशिखा नागपाल कई फिल्मों और धारावाहिकों में कई महत्वपूर्ण किरदार निभाए हैं। वह स्टार भारत के 'ना उम्र की सीमा हो' में 'सत्यवती रायचंद' का किरदार निभा रही हैं। दीपशिखा खुलासा किया कि उन्हें हंसी-मजाक के साथ काम करना पसंद है इसलिए वह अक्सर प्रैंक किया करती हैं, इसलिए उन्हें प्रैंक्स्टर बुलाया जाता है! दीपशिखा ने बताया, ''मुझे काम के दौरान हँसता-खेलता, हेल्दी माहौल पसंद है। इसलिए मैं जहाँ भी काम करती हूँ, वहां के लोगों को खुश रखती हूँ। मुझे बोरिंग माहौल बिलकुल नही पसंद है। लगता है मैं बहुत अकड़ू और अड़यिल व्यक्ति हूँ, लेकिन जब वे उन्हें समझ आता है कि मुझसे बड़ा महा मस्तीखोर और कोई नहीं है। मैं हमेशा प्रैंक करती रहती हूँ। मैं इसी तरह मस्तीखोर बनी रहती हूँ।''**

## नई तिकड़ीः आलिया, अरमान और आसमां

रोमांस, ड्रामा, उत्साह और साज़िश से भरपूर, कलर्स के 'उड़ारियां' 20 साल का लीप लेते हुए नए चरण में प्रवेश करने वाला है। शो में अलीशा परवीन आलिया रंधावा की भूमिका निभा रही है, अनुराज चहल अरमान गिल का किरदार निभा रहे है, और अदिति भगत आसमां ढिल्लन के रूप में है। अलीशा कहती है, ''मै झगड़ालू और विद्रोही लड़की है, जो सोचती है कि कनाडा जाने से उसकी सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। मै तीसरी बार कलर्स के साथ काम कर रही हूं।''

## वीर, अमृता और रिया की दोस्ती

टेलीविज़न पर होने वाली दोस्ती अक्सर अनोखा रिश्ता बनाती है। सोनी सब के दिल दियां गल्लां में पारस अरोड़ा , हेमा सूद और कावेरी प्रियम अनोखा और मजबूत कनेक्शन साझा करते है। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दिखती है, लेकिन उनका ऑफ़-स्क्रीन रिश्ता भी वास्तव में उन्हें अलग बनाता है। कावेरी ने कहा, ''पारस, हेमा और मैंने काफी समय बिताया है, जिससे हमारे बीच बेहद करीबी और गहरा रिश्ता विकसित हुआ है। ''पारस ने कहा, ''हेमा और कावेरी के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा है, और हमारी दोस्ती गहरी होती गई। ''हेमा ने कहा ''अमृता और वीर दोनों ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन मेरे अच्छे दोस्त है। ।''

## ऐश्वर्या का 20 किलो का लहंगा

ज़ी टीवी का शो 'भाग्य लक्ष्मी' में ऐश्वर्या खरे और रोहित सुचंती है। ऐश्वर्या ने रेड और गोल्डन लहंगा पहना, जिसके साथ बेहद सुंदर नजर आईं! ऐश्वर्या बताती है, ''ब्राइडल लुक अपनाकर हमेशा मुझे खुशी मिलती है और मै चाहती थी कि मेरा लुक बेमिसाल नजर आए। मैने प्रॉपर रेड एंड गोल्डन लहंगा पहना, मुझे लगता है कि यह मुझ पर बहुत जंचता है। लेकिन जब मैंने इसे पहना तब मुझे इसका एहसास हुआ। मुंबई की भारी बारिश में 20 किलो का लहंगा पहनकर चलना वाकई बड़ा चैलेंजिंग है। जिसे मै लाद कर घूम रही थी।''

## सिंगर भी हैं सैयद रज़ा

ज़ी टीवी के शो 'मीत'में 16 साल के लीप के बाद बेटी सुमीत (आशी सिंह) है, जो अपनी स्वर्गीय मां के नाम पर खरी उतरने की कोशिश कर रही है। श्लोक (सैयद रज़ा अहमद) सुमीत को बचाने की कोशिश करता है।सैयद कहते है, ''मै हमेशा से संगीत प्रेमी रहा हूं और पिछले कई सालों से अपने दोस्तों और परिवार के लिए गिटार बजा और गा रहा हूं। हालांकि यह टेलीविजन इंडस्ट्री में मेरा डेब्यू है, इसलिए यह किरदार मेरी किस्मत में ही थे।''

## ताड़कासुर के रूप में सिद्धांत

कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' में भगवान शिव और देवी सती की ब्रह्मांड की पहली प्रेम कहानी है। सिद्धांत इस्सर वज्रंग और वज्रंगी के पुत्र ताड़कासुर की भूमिका में है। यह राक्षस राजा की रहस्यमय और बुरी ऊर्जा को दर्शाने के अनोखे रूप में दिखेंगे। सिद्धांत कहते है, ''मैने कठोर शारीरिक प्रशिक्षण लिया और उनके बारे में विस्तार से पढ़ा। ताड़कासुर ऐसा कोई खलनायक नहीं है।''

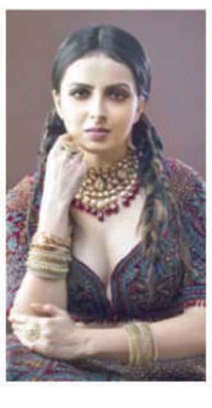

## मेरे परिवार की बदौलत - श्रेनु

ज़ीटीवी का 'मैत्री' मैत्री (श्रेनु पारिख) और नंदिनी (भाविकाचैधरी) की ज़िंदगी कासफर है। 10 साल पहले श्रेनु नेअपने टैलेंट औरएक्टिंग की लगनके साथ मनोरंजन कीदुनिया में कदम श्रेनुपारिख बताती है, ''मैंने मॉडलिंग असाइनमेंटसे अपने करियर कीशुरु आत की थी, जिसकेलिए मुझे 700 रुपए मिले थे। मै 5 साल की उम्रसे ही एक्टर बनना चाहती थी। सभी एक्टरों कीनकल उतारती थी। शुरुआती दिनों में मै वड़ोदरासे मुंबई आकर 6 से 8 ऑडिशंस देतीथी और उसी दिनअपने घर वापस लौटजाती थी। असल मेंहर बार मेरे पैरेंट्सभी मेरे साथ आतेथे।

## निक्की ने सीखी वाराणसी की बोली

ज़ीटीवी में शो 'प्यार का पहला अध्याय शिवशक्ति' में शिव के रोल में अर्जुन बिजलानी और शक्ति के किरदार में निक्की शर्मा है। निक्की शक्ति का किरदार निभा रही है, वाराणसी की यंग और पैशनेट लड़की के रोल में है। निक्की ने वाराणसी की स्थानीय बोली भी अपना ली और उसी अंदाज़ में बात भी करती है। निक्की ने कहा, ''मै सही बोली और उच्चारण सीख रही हूं। मैने हमेशा माना है कि हर किरदार के साथ एक्टर को काफी कुछ सीखने को मिलता है, जो उन्हें बढ़िया प्रोफेशनल के रूप में आगे बढ़ाता है। कुछ शब्द और मंत्र ऐसे है, जिन्हें सही तरह से बोलने की जरूरत होती है। जिसे मैने अपनी डेली लाइफ में अपना लिया है।''

## मेकअप रूम में कैनवस

ज़ीटीवी का शो 'प्यारका पहला नाम राधामोहन' में तुलसी (कीर्ति नागपुरे) को पढ़नेऔर पेंटिंग करने का बेहदशौक है, जो सेटपर और घर परइन चीजों के लिए अपनासमय जरूर देती है।ब्रेक के दौरान किताबेंपढ़ती है और उन्होंनेअपने रूम को भी पेंटिंग प्रोजेक्ट में बदल दियाहै। कीर्ति ने कहा, ''लंबे समय से पेंटिंग मेरी खुशी का राज है। अपने थका देने वाले शूट शेड्यूल के बावजूद मै अपने मेकअप रूम को कैनवस में बदलने के लिए कुछ पल चुरा ही लेती हूं। काम के व्यस्त घंटों के बीच यह मुझे बड़ा सुकून देता है और मेरे दिलो दिमाग को तरोताजा कर देता है। पेंटिंग वाकई उपचार की तरह है और इससे मुझे मन की शांति मिलती है।

## अंजुम बाहर हुईं

कलर्स का 'खतरों के खिलाड़ी 13' रोहित शेट्टी की मेज़बानी में, स्टंट-आधारित रियलिटी शो है। डर अंजुम फकीह पर हावी हो गया और वह शो के तीसरे सप्ताह में बाहर हो गईं।अंजुम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, रेप्टाइल्स और सांपों के डर का बहादुरी से सामना करते हुए, बक्सों में छिपी चाबियों से खुद को खोल लिया। अंजुम को ऐश्वर्या शर्मा ने पछाड़ दिया था। अंजुम कहती है, ''जब मै सोचती हूं, तो एहसास होता है कि हर पल दृढ़ संकल्प से भरा हुआ था। पूरे शो के दौरान, मैंने अपने बारे में बहुत कुछ जाना और सीखा कि अपनी मानसिक स्थिति पर नियंत्रण कैसे रखा जाए। ये बहुमूल्य सबक जीवन भर मेरे साथ रहेंगे। उम्मीद है कि मैंने उन्हें गौरवान्वित किया। रोहित सर को भी बहुत-बहुत धन्यवाद,''

## 'सौभाग्यवती भव' का सीजन 2

**स्टार भारत जल्द ही सौभाग्यवती भव का नया सीजन पेश करने जा रहे हैं। शो के सीजन 2 में मुख्य भूमिकाओं में अभिनेता धीरज धूपर हैं लेकिन कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अमनदीप सिद्धू को फीमेल लीड भूमिका निभाने के लिए फाइनल कर लिया गया है।**

## घर के बारे में बताया हिमानी शिवपुरी ने

**एण्डटीवी के हप्पू की उलटन पलटन' की कटोरी अम्मा यानि हिमानी शिवपुरी ने बताया, ''मेरे घर में मेरे सोफे के आखिरी कोने की मेरे दिल में खास जगह है। यह बालकनी के सामने रखा हुआ है, यहां बैठकर समय गुजारना मुझे सबसे बढ़िया लगता है। मैं यहाँ बैठकर पढ़ती हूँ, अपना फोन स्क्रोल करती हूँ, टीवी देखती हूँ या आराम करती हूं और झपकी भी ले लेती हूँ। यहां बैठकर मैं अपने बेटे के साथ खूब सारी बाते करती हूं। यहां आने वाली प्राकृतिक रोशनी, ताजी हवा और बालकनी का बेहद सुंदर दृश्य इस जगह को और आकर्षक बना देता है।**

# हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी की सेहत बेहतर बनाता है राइडर

जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा या किसी अन्य बीमा पालिसी में राइडर की भूमिका बेहद अहम होती है। राइडर की सुविधा का फायदा ऐसी स्थिति में उठाया जाता है जब बीमाधारक द्वारा खरीदी गई किसी हेल्थ इंश्योरेंस की मूल पालिसी में कोई ऐसा कवर नहीं शामिल होता है जिसकी उसे जरूरत थी। ऐसी स्थिति से बचने के लिए बीमा खरीदने वाले हर व्यक्ति को राइडर सुविधा का लाभ अवश्य उठाना चाहिए

अपूर्व कुमार दत्त

बीमा विशेषज्ञ

कोरोना महामारी के बाद किसी स्वास्थ्य बीमा का महत्व समझाने की जरूरत शायद अब नहीं है। भारत में एक तरफ जहां लगभग सात प्रतिशत की दर से आम महंगाई में इजाफा हो रहा है, वहीं इलाज के खर्चों में भी तेरह फीसद की दर से वृद्धि हो रही है। विभिन्न बीमारियों के इलाज पर आने वाले भारी भरकम खर्च से निपटने के लिए स्वास्थ्य बीमा अब आम आदमी की अहम जरूरत बन चुका है। अब तो तरह-तरह की बीमारियों से निपटने की नई-नई तकनीकें आने से इलाज का खर्च भी बढ़ा है। इसी अनुपात में बीमा कंपनियों ने भी अपने ग्राहकों के इलाज पर होने वाले बढ़ते खर्च को देखते हुए ज्यादा जोखिम कवर वाले हेल्थ इंश्योरेंस प्लान लांच किए हैं।

### बीमा के बारे में थीं भ्रांतियां

पहले यह माना जाता था कि 60 साल की आयु के बाद के व्यक्तियों का बीमा हो ही नहीं सकता था। एक और भ्रांति फैली थी... वह यह कि अगर किसी ने अपनी हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी से अपने हार्ट संबंधी बीमारी का एक बार भी इलाज करा लिया तो उसकी पालिसी का जोखिम कवर बंद हो जाएगा और आगे इस पालिसी का कोई फायदा नहीं मिलेगा। साथ ही अगर कोई व्यक्ति अपनी शुगर की बीमारी का इलाज कराना चाहता है तो बीमा कंपनियां पालिसी में मधुमेह का कवर ही नहीं देती थीं। लेकिन अब ऐसा एकदम नहीं है और इन सभी समस्याओं के बावजूद भी आपका स्वास्थ्य बीमा हो जाएगा, हो सकता है कि यह सशर्त हो, लेकिन हो जरूर जाएगा।

### राइडर के तहत लें अतिरिक्त कवर

स्वास्थ्य बीमा की मूल पालिसी खरीदने वालों के लिए व्यक्तिगत और फैमिली फ्लोटर प्लान में इलाज के लिए मूल जोखिम कवर तो होता ही है, साथ ही पालिसी में कुछ ऐसी बीमारियों के कवर भी जुड़वाए जा सकते हैं जिन बीमारियों का अंदेशा पालिसी खरीदने वाले व्यक्ति को पहले से होता है। यह जोखिम कवर राइडर के रूप में जुड़वाने की सुविधा बीमा कंपनियों द्वारा प्रदान की जाती है। चूंकि 'राइडर' के तहत मूल बीमा योजना में दिए गए जोखिम कवर के अतिरिक्त कुछ अन्य बीमारियों के लिए कवर लिए जाते हैं इसलिए इसके एवज में बीमाधारक को कुछ अतिरिक्त प्रीमियम भी देना पड़ सकता है। हमें यह मानकर चलना चाहिए कि जिस प्रकार का राइडर आप लेंगे अतिरिक्त प्रीमियम में सामान्य प्रीमियम के एक से दस प्रतिशत का ही अंतर रहेगा, लेकिन बीमा कवरेज मूल प्रीमियम के लगभग बराबर का ही होगा।

### राइडर लेने में ही है समझदारी

बीमा कंपनियों के निदेशकों का तथा ज्यादातर बीमा विशेषज्ञों का यह मानना है की राइडर जरूर लेना चाहिए। इससे बहुत ही व्यापक जोखिम कवर आपको मिल सकता है। स्वास्थ्य बीमा की मूल पालिसी में पूर्व की बीमारियों के इलाज के लिए वेटिंग पीरियड हो सकता है, लेकिन यदि आप सम्बंधित राइडर लेते है तो इससे भी बच सकते है।

### कितनी तरह के होते हैं राइडर

जैसा कि हमेशा सलाह दी जाती रही है कि प्रस्तावक को सोच समझकर बीमा खरीदना चाहिए, ठीक उसी प्रकार यह भी जान लेना चाहिए कि उन्हें मूल स्वास्थ्य बीमा पालिसी के साथ किस प्रकार के राइडर की जरूरत पड़ सकती है। जरूरी नहीं है, किन्तु इसे लेने की सलाह आपको हर बीमा विशेषज्ञ जरूर देते है क्योंकि यह उपभोक्ता को मामूली सा अतिरिक्त प्रीमियम प्रदान करने पर प्राप्त हो जाता है। उदाहरणस्वरूप किसी किसी केस में प्रत्येक एक हजार के कवर के लिए मात्र एक रुपया तो किसी में पचहतर पैसे ही। हालांकि राइडर एक अतिरिक्त सुविधा है और यदि उपभोक्ता नहीं लेना चाहते हैं तो यह उनका विशेषाधिकार है।

### ओपीडी राइडर

स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के सम्बन्ध में जनमानस में यह सामान्य मान्यता है कि दावा निस्तारण के लिए न्यूनतम चौबीस घंटे के लिए अस्पताल में भर्ती रहना जरूरी है। सामान्य तौर पर छोटी-मोटी बीमारियों के लिए मरीज डाक्टर से मिलकर प्रिस्क्रिप्शन पर दवा लिखवाकर घर में इलाज कराता है। इस प्रकार के इलाज का कोई भी खर्च स्वास्थ्य बीमा कम्पनी नहीं प्रदान करती है, किन्तु यदि उपभोक्ता ने बीमा लेते समय ओपीडी (आउटडोर पेशेंट डिपार्टमेंट) राइडर क्रय किया है तो उसका भी दावा निस्तारण कम्पनी पालिसी के नियमानुसार करती है।

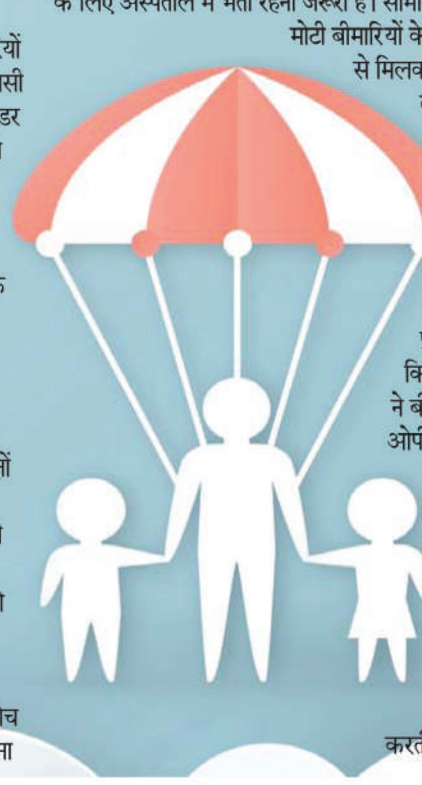

### पुरानी बीमारी का इलाज

राइडर लेने पर एक्सीडेंटल बीमा चौबीस घंटे में प्रारम्भ हो जाता है और पालिसी लेने के बाद होने वाली बीमारियों का कवर 31 दिन से शुरू हो जाता है। बीमा लिए जाने से पूर्व से रही बीमारियों के लिए वेटिंग पीरियड दो साल या उससे अधिक का रहता है। किन्तु यदि क्रेता स्वास्थ्य बीमा क्रय करते समय पूर्व से रही बीमारियों की जानकारी दे देते है और पीईडी अर्थात (प्रीवियसली एक्जिस्टिंग डिजीज) राइडर भी, उस पर लागू अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करके क्रय करते है तो उन्हें नियमानुसार पूर्व से रही बीमारियों के इलाज का भी कवर मिलेगा।

### क्यों खरीदें शील्ड राइडर

कोरोना काल में आपको परिवार, समाज, कार्यालय, अखबार आदि से ऐसे अनेकों सूचनाएं मिली होंगी कि स्वास्थ्य बीमा रहते हुए भी मरीज को इलाज में हुए पूरे खर्च का दावा निस्तारण नहीं हुआ। जैसे इलाज में खर्च हुआ पांच लाख लेकिन दावा निस्तारित हुआ तीन लाख का। तकनीकी दृष्तिकोण से कंपनी भी गलत नहीं थी क्योंकि कोरोना के इलाज में गैर-चिकित्सीय खर्च जैसे पीपीई किट, दस्ताने आदि का खर्च अधिक हो जाता है, जो कि मूल स्वास्थ्य बीमा में समाहित नहीं होता है। इन सभी कठिनाइयों से बचने के लिए मामूली सा अतिरिक्त प्रीमियम देकर शील्ड राइडर क्रय करना चाहिए।

### कौन से राइडर हैं जरूरी

इन सब के अतिरिक्त डेली अलाउंस, मैटरनिटी बेनिफिट राइडर, पर्सनल एक्सीडेंट, रूम रेंट समेत इस तरह के अनेकों राइडर बीमा कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं।अतः बीमा क्रय करते समय सभी बिन्दुओं की जानकारी आपने बीमा सलाहकार, कंपनी की वेबसाइट, टोल फ्री नंबर तथा अन्य ज्ञात सोतों से उचित विचार विमर्श के उपरान्त ही बीमा के साथ साथ जरूरी और उपयोगी राइडर को खरीदना चाहिए।

---

रियल एस्टेट

# निर्माण की गुणवत्ता जरूर परखें

**देश के विभिन्न हिस्सों में हम तमाम ऐसे स्ट्रक्चर या इमारतें देख सकते हैं जो वर्षों से नही अपितु सदियों से आज भी बुलंदी के साथ खड़ी हैं। वहीं मौजूदा समय की बात करें करीब दो दशक पहले बनी अनेक बहुमंजिला आवासीय इमारतों में फैली सीलन की वजह से उनका बाहरी स्ट्रक्चर खराब होता भी दिखता है। जाहिर है कि ऐसी इमारतों के निर्माण यानी कान्स्ट्रक्शन के दौरान तय मानकों का ध्यान नहीं रखा गया होगा और गुणवत्ता की अनदेखी भी की गई होगी**

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

अगर आप भी घर की तलाश में है या फिर जमीन या प्लाट लेकर उस पर कान्स्ट्रक्शन करवाना चाहते है तो निर्माण की गुणवत्ता से कतई समझौता न करें। इससे आपको प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर कई लाभ मिलेंगे। कान्स्ट्रक्शन अगर अच्छा नहीं होगी तो जैसे-जैसे निर्माण का समय बीतता जाएगा आपको उसकी मेंटेनेंस पर समय और धन दोनों का निवेश करना होगा। वहीं कान्सट्रक्शन अच्छा होने पर मेनटेन्स का खर्च बहुत ही मामूली रहता है।

### लागत का पता जरूर करें

अगर आप अपना घर बनवा रहे है तो महज किसी ठेकेदार को इसके निर्माण की जिम्मेदारी देने से बचें। बेहतर रहेगा कि आप योग्य आर्किटेक्ट से प्लाट का नक्शा बनवाएं और फिर स्ट्रक्चरल इंजीनियर की तलाश करें। स्ट्रक्चरल इंजीनियर से आपको उचित जानकारी मिल जाएगी कि आपको निर्माण के कितना लोहा, सीमेंट, ईंट और कान्स्ट्रक्शन से जुड़े दूसरे उत्पादों की कितनी मात्रा में आवश्यकता होगी। इससे आपको औसत निर्माण लागत का पता काम शुरू कराने से पहले ही मिल जाएगा। साथ ही कई बार ठेकेदार और मिस्त्री जिन जरूरी चीजों को नजरअंदाज कर जाते है उससे भी बचा जा सकेगा। यह ध्यान रखें के भूकंप के लिहाज से उत्तर भारत के अधिकांश शहरों को संवेदनशील दायरे में रखा जाता है, ऐसे में कान्स्ट्रक्शन क्वालिटी जितनी अच्छी होगी इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं से आप खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकेंगे।

### रीसेल के समय लाभकारी

ऐसा माना जाता है कि खरीदारों को नई निर्मित संपत्तियां ज्यादा पसंद आती है लेकिन ऐसा नहीं है अच्छी कान्सट्रक्शन वाली संपत्तियों की मांग, बाजार में हमेशा रहती है। यही नहीं कई वर्ष बीतने के बाद भी जब आप उसकी बिक्री के लिए निकलते है तो उस समय भी तुलनात्मक रूप से उसके अच्छे दाम आपको मिलते है। यह जरूरी है कि कान्स्ट्रक्शन की गुणवत्ता को आप संपत्ति की फिनिशिंग व फिक्सचर्स अर्थात रंग-रोगन और घर में करवाई गई दूसरी साज-सज्जा से जोड़कर न देखों बल्कि उसे इमारत के स्ट्रक्चर यानी पिलर और बीम में लगे स्टील और लोहे की गुणवत्ता उनकी चौड़ाई दीवारों में लगी ईंटें, आदि के रूप में समझें। यह तो अपना घर बनवाने के समय की बात रही लेकिन कान्स्ट्रक्शन की गुणवत्ता की परख आपको तब भी कर लेनी चाहिए जब आप किसी बिल्डर के प्रोजेक्ट में घर खरीद रहे हों।

### प्रोजेक्ट का करें मुआयना

अगर आप किसी निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में निवेश का मन बना रहे है तो उसका अवलोकन करना न भूलें। वहां बन रहे टावरों के स्ट्रक्चर को देखें उसमें लगने वाली सीमेंट और स्टील की गुणवत्ता और मात्रा को परखें। संभव है आपको इस बारे में बहुत ज्यादा जानकारी न हो तो इस स्थिति में भी आप किसी स्ट्रक्चरल इंजीनियर की मदद ले सकते है। अपने लिए आप उसे प्रोजेक्ट का मुआयना करने को कह सकते है। इसके साथ ही निर्माणाधीन साइट पर काम कर रहे अलग-अलग इंजीनियर से भी बात कर सकते है। आप चाहें तो बिल्डर से भी पूछ सकते है कि उस प्रोजेक्ट के निर्माण की जिम्मेदारी किस कंपनी को दी गई है। यह जानें कि कुछ बिल्डर्स निर्माण का काम खुद ही करते है जबकि कुछ कई नामचीन दूसरी कंपनियों से उस काम का कराते है।

### बिल्डर को भी लाभ

घर खरीदने से पहले आप कुछ प्रापर्टी ब्रोकरों या फिर पूर्व में घर खरीद चुके खरीदारों से भी बातचीत करके पता लगा सकते है कि अमुक बिल्डर की कान्स्ट्रक्शन क्वालिटी कैसी है, गुणवत्ता की वजह से बिल्डर की भी बाजार में अलग साख बनती है। हर लिहाज से कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट बनाने वाले बिल्डरों के नए प्रोजेक्ट्स को न सिर्फ निवेशक बल्कि ग्राहक भी हाथों हाथ लेते है। यहां मैं गुरु ग्राम के ही एक बिल्डर का उदाहरण देना चाहूंगा, उस बिल्डर के इस शहर में कई रिहाइशी प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है कुछ साल पहले उस बिल्डर ने एक प्रोजेक्ट का कब्जा दिया था लेकिन उसके कुछ ही महीनों बाद कॉमन स्पेस में छत पर लगी सीमेंट का एक छोटा सा हिस्सा गिर गया। यह अच्छी बात रही कि उस दुर्घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई लेकिन उस घटना की वजह से निवेशकों और घर के खरीदारों के बीच बिल्डर की कान्स्ट्रक्शन गुणवत्ता को लेकर काफी चर्चाएं हुईं। उस घटना से बिल्डर की साख तो प्रभावित हुई ही साथ ही अपने दूसरे प्रोजेक्ट में बन रही संपत्तियों की बिक्री में भी उसे अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ी। इस तरह आप समझ ही गए होंगे कि कान्स्ट्रक्शन की गुणवत्ता क्यों महत्वपूर्ण है। ऐसे में चाहे आप कोई बना घर ले रहे हों या फिर बनवा रहे हों, कान्स्ट्रक्शन क्वालिटी को देखना बेहद जरूरी है।

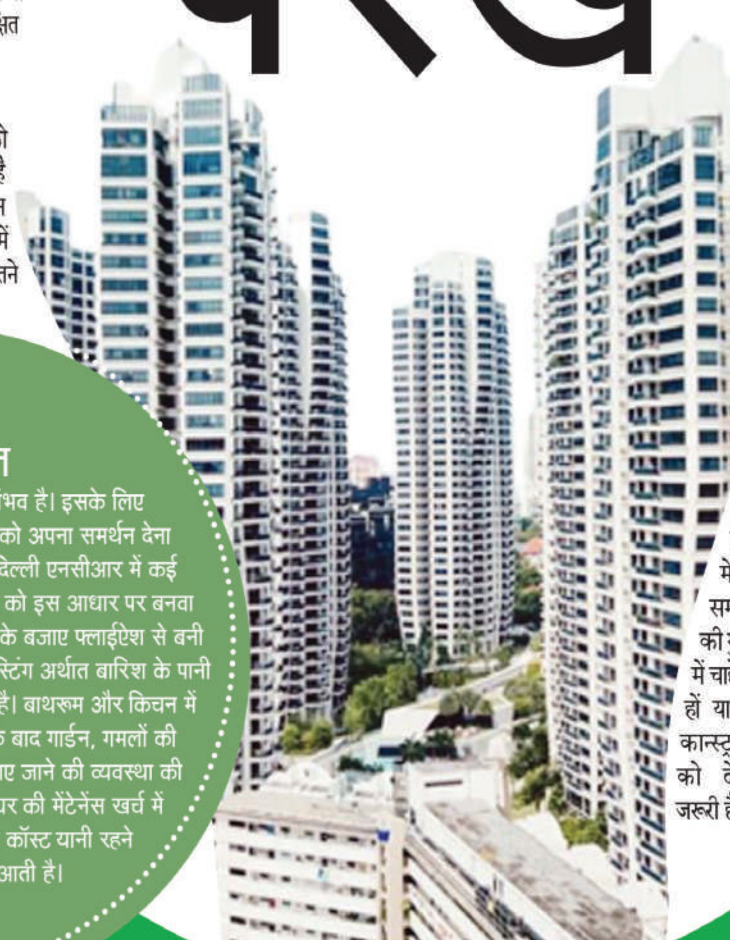

### ऊर्जा की खपत

ऊर्जा की खपत पर लगाम संभव है। इसके लिए आपको ग्रीन बिल्डिंग की अवधारणा को अपना समर्थन देना होगा। ग्रीन बिल्डिंग योजना के तहत दिल्ली एनसीआर में कई इमारतें बनाई गई हैं। आप भी अपने घर को इस आधार पर बनवा सकते हैं। ऐसी इमारतों में परंपरागत ईंटों के बजाए फ्लाईऐश से बनी ईंटों का इस्तेमाल होता है, रेन वॉटर हारवेस्टिंग अर्थात बारिश के पानी को संचित करने की व्यवस्था की जाती है। बाथरूम और किचन में इस्तेमाल हुए पानी को प्रोसेस करने के बाद गार्डन, गमलों की सिंचाई या फिर वाहन धोने के काम लाए जाने की व्यवस्था की जाती है। इन सुविधाओं के होने से घर की मेंटेनेंस खर्च में कमी तो होती है साथ ही लिविंग कॉस्ट यानी रहने की लागत में भी कमी आती है।

---

आईटीआर

# नहीं फाइल किया तो न हों परेशान

**आयकर का भुगतान और आईटीआर फाइल करने में काफी अंतर है। अगर आप कर योग्य आय अर्जित करते हैं तो आपको आयकर का भुगतान करना ही होगा। अगर आप निर्धारित तारीखों के अंदर आयकर रिटर्न दाखिल करने से चूक जाते हैं तो आप पेनाल्टी अथवा लेट फीस के साथ रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। लेकिन जानबूझकर रिटर्न फाइल न करने और टैक्स भी बकाया रहने की स्थिति में पेनाल्टी के साथ सजा का भी प्रावधान है**

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की तारीख 31 जुलाई अब निकल चुकी है। उम्मीद की जा रही थी कि कई राज्यों खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बारिश से मची तबाही को देखते हुए सरकार रिटर्न दाखिल करने की तारीख बढ़ा देगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और आईटीआर दाखिल करने की समयसीमा खत्म हो गई। इस अवधि में लगभग 6.50 करोड़ लोगों ने अपने आईटीआर दाखिल किए। अगर आपने निर्धारित समयसीमा के भीतर अपना आईटीआर फाइल नहीं किया है तो परेशान न हों क्योंकि पेनाल्टी अथवा लेट फीस के साथ रिटर्न फाइल करने का मौका अभी आपके पास है।

### दिसम्बर तक दाखिल करें रिटर्न

अगर कोई व्यक्ति किन्हीं कारणों से अपना आईटीआर दाखिल करने से चूक गया है तो उसके लिए 31 दिसम्बर तक अपना रिटर्न दाखिल करने का एक मौका और है। लेकिन एक अगस्त से 31 दिसम्बर तक रिटर्न दाखिल करने पर लेट फीस अथवा पेनाल्टी के रूप में कुछ रकम का भुगतान करना होगा। अगर कोई ऐसा व्यक्ति एक अगस्त से 31 दिसम्बर तक अपना आईटीआर फाइल करता है जिसकी सालाना आमदनी पांच लाख रुपए से कम है तो उसे पेनाल्टी के रूप में सिर्फ एक हजार रुपए का भुगतान करना होगा। लेकिन अगर व्यक्ति की सालाना आमदनी पांच लाख रुपए से ज्यादा है तो उसे 5000 रुपए का भुगतान लेट फीस अथवा पेनाल्टी के रूप में करना होगा।

### दिसम्बर के बाद भी दाखिल हो सकता आईटीआर

अगर कोई व्यक्ति 31 दिसम्बर के बाद आईटीआर दाखिल करता है तो वह भी आसानी से हो जाएगा लेकिन इस पर लगने वाली पेनाल्टी की रकम दोगुनी यानी दस हजार रुपए हो जाएगी। लेकिन अगर किसी व्यक्ति की सालाना आमदनी ढाई लाख रुपए से भी कम है तो वह अपना रिटर्न कभी भी फाइल कर सकता है।

### टैक्स भी बकाया है तो क्या होगा

अगर कोई व्यक्ति अपना आईटीआर लेट फीस के साथ फाइल कर रहा है और उसने अग्रिम टैक्स का भुगतान भी नहीं किया है तो लेट फीस के साथ बकाया टैक्स पर ब्याज भी वसूला जाएगा। टैक्स बकाया न होने पर सिर्फ लेट फीस ही अदा करनी होगी।

### सजा का भी है प्रावधान

जानबूझकर रिटर्न देर से फाइल करने वालों के खिलाफ आयकर विभाग कार्रवाई कर सकता है और भारी पेनाल्टी लगा सकता साथ ही अगर व्यक्ति ने आयकर का भुगतान भी नहीं कया है अर्थात उसका टैक्स भी बकाया है तो उसके लिए जेल की सजा का भी प्रावधान है। अगर कर चोरी की रकम 25 लाख रुपए या इससे ज्यादा है तो इसके लिए न्यूनतम छह माह तक की सजा का भी प्रावधान रखा गया है।

### रिटर्न के वक्त न लगाएं फर्जी किराया रसीद

अक्सर देखा जाता है कि करदाता अपना आयकर बचाने के लिए खुद को किराए के मकान में दिखाता है और इसके लिए वह फर्जी किराया रसीद लगा देता है। फर्जी किराया रसीद लगाने वालों को अक्सर पेनाल्टी के साथ-साथ जेल की सजा भी हो सकती है। फर्जी किराया रसीद लगाने वालों पर आयकर विभाग 200 फीसद तक जुर्माना ठोंक सकता है। फर्जी किराया रसीदों के अलावा डोनेशन यानी चंदे की रसीदें भी अगर फर्जी पाई जाती हैं तो इसके लिए व्यक्ति को पेनाल्टी या सजा अथवा दोनों भुगतना पड़ सकता है

# दूसरे टी-20 मैच में पलटवार करने उतरेगी टीम इंडिया

**गयाना,(एजेंसी)।** पहले मैच में मिली करीबी हार को भूलाकर हार्दिक पांड्या और राहुल द्रविड़ की भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को रात 08:00 बजे से गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले जाने वाले दूसरे टी20 मैच में उतरने से पहले कई सवालों के जवाब ढूंढने होंगे।

दूसरे मैच में भारत को बल्लेबाजी विभाग में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तारोबा में पहले मैच में वेस्टइंडीज ने चार रन से जीत दर्ज की थी। त्रिनिदाद में ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पिच धीमी थी और बल्लेबाजी करना आसान नहीं था, लेकिन डेब्यू कर रहे तिलक वर्मा ने शानदार पारी खेली। उनके अलावा सभी बल्लेबाज फेल रहे। पहले टी20 में भारत के पास निचले क्रम में बाउंड्री मारने वाले खिलाड़ी नहीं होने के कारण उन्हें लाइन पार करने में असमर्थता का सामना करना पड़ा, खासकर आठवें नंबर से शुरू होने वाले पुछल्ले बल्लेबाजों के कारण अंतिम एकादश का संतुलन बिगड़ गया। गयाना की पिचें धीमी हैं, जिसका मतलब है कि धीमी गेंदों वाले स्पिनरों और तेज गेंदबाजों का महत्व बढ़ गया है। हार्दिक पंड्या और उपकप्तान सूर्यकुमार व्यक्तिगत तौर पर और एक टीम के रूप में भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। इन दोनों के अलावा ईशान किशन, शुभमन और सैमसन की नजरें भी वनडे विश्व कप पर है लेकिन एशिया कप से पहले कुछ अच्छी पारियां खेलकर ये आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। गेंदबाजों में चहल को वनडे में मौका नहीं मिल सका जो यहां अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। डैथ ओवरों में अर्शदीप सिंह अभी सीख रहे हैं। आवेश खान और उमरान मलिक को भी मौका मिल सकता है।

## कैरेबियाई टीम से भिड़ंत आज, प्रसारण रात 8 बजे से

### टी-20 में विंडीज मजबूत

टेस्ट और वनडे में खराब दौर के बावजूद टी20 में वेस्टइंडीज टीम मजबूत है क्योंकि उसके पास कई बिग हिटर हैं। निकोलस पूरन, काइल मायर्स, शिमरोन हेटमायेर, रोवमैन पॉवेल, रोमारियो शेफर्ड इनमें प्रमुख हैं जिनके बल्ले पर अंकुश लगाना टेढी खीर होगा। पहले मैच में कप्तान पॉवेल (48 रन) और निकोलस पूरन (41रन) का बखूबी साथ मिला। इस साल आईपीएल में राजस्थान के लिए बतौर फिनिशर छाप छोड़ने वाले हेटमायर की टीम में वापसी टीम का मध्यक्रम बेहद मजबूत हो जाता है।

### इस मैदान पर खेले गए 11 टी20 मैचों में से तीन बारिश की भेंट चढ़े

इस मैदान पर खेले गए 11 टी20 मैचों में से तीन बारिश की भेंट हो गए जबकि आठ में से मेजबान ने पांच गंवाए हैं । इस पिच पर पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 3 जबकि बाद में बैटिंग करने वाली टीम ने 5 मैच जीते हैं। इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 123 रन है। यह मैदान 12वें टी20 मैच की मेजबानी करेगा। पिछली बार भारत और वेस्टइंडीज 2019 में एक-दूसरे से भिड़े थे तब भारत ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हरा दिया था।

**पिच रिपोर्ट** गयाना का प्रोविडेंस स्टेडियम अपनी संतुलित परिस्थितियों के लिए जाना जाता है। इस मैदान की पिच बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को फायदा पहुंचाती है। गुयाना में अभी तक हाई स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिले हैं। इस पिच पर तेज गेंदबाजों को अच्छी स्विंग और स्पिनर्स को अच्छा टर्न मिलता है। वहीं बल्लेबाजों भी यह पिच अपनी विविधिताओं से लुभाएगी। इस मैदान पर हुए आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले में 150 से उपर का स्कोर देखने को मिला था। यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम अक्सर जीत दर्ज करती है।

**मौसम** दूसरे टी-20 में रविवार को गुयाना में सुबह के वक्त बारिश की संभावना है। हल्के बादले छाए रहेंगे। मैच वाले दिन अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। साथ ही मैच के दौरान पूरी तरह धूप खिले रहने की भविष्यवाणी है। मैच के दौरान बारिश की संभावना काफी कम है, लेकिन फिर भी मौसम यहां कभी भी करवट ले सकता है।

# जापान ने चौथी, स्पेन ने पहली बार कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

## फीफा महिला विश्व कप-2023

**वेलिंगटन,(एजेंसी)।** फीफा महिला विश्व कप 2023 के प्री-क्वार्टरफाइनल में शनिवार को जापान ने नॉर्वे को 3-1 से हराकर चौथी बार और स्पेन ने स्विट्जरलैंड को 5-1 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के क्वॉर्टरफाइनल में प्रवेश किया।

वेलिंगटन रीजनल स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में इंग्रिड सिर्स्टान एन्जेन ने 15वें मिनट में गोल जमाकर जापान को बढ़त दिलाई, हालांकि नॉर्वे ने 20वें मिनट में गुरो रेइटेन के गोल से बराबरी कर ली। पहले हाफ में स्कोर बराबर रहा लेकिन दूसरे हाफ में रिसा शिमिजू (50वां मिनट) और हिनाटा मियजावा (81वां मिनट) के गोलों की मदद से जापान ने जीत हासिल कर ली। जापान के लिए 50वें मिनट में बढ़त लेना मुश्किल हो सकता था लेकिन शिमिजू ने नॉर्वे के बॉक्स में एक खराब पास दिशा दिखाकर गोल में तब्दील किया। नॉर्वे ने 2-1 से पिछड़ने के बाद आखिरी 15 मिनटों में वापसी करनी चाही लेकिन इससे उसका डिफेंस कमजोर पड़ गया। मियाजावा ने इसका फायदा उठाते हुए आओबा की मदद से जापान का तीसरा गोल कर दिया। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जापान को स्वीडन या अमेरिका में से किसी एक का सामना करना होगा। साल 1995 की विश्व चैंपियन नॉर्वे नौ विश्व कप अभियानों में केवल तीसरी बार क्वार्टरफाइनल से पहले टूर्नामेंट से बाहर हुई है।

### हिनाटा टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाली खिलाड़ी

हिनाटा मियाजावा इस गोल के साथ जर्मनी की कप्तान एलेक्जेंड्रा पॉप को पीछे छोड़कर विश्व कप 2023 में सर्वाधिक गोल करने वाली खिलाड़ी बन गयीं। यह उनका इस टूर्नामेंट में पांचवा गोल है। वहीं पॉप ने चार गोल दागे हैं। जापान अब तक प्रतियोगिता में 14 गोल कर चुका है जबकि उसके खिलाफ पहली बार किसी टीम ने गोल किया।

## बोनमती ने दो गोल कर स्पेन को दिलाई जीत, स्विट्जरलैंड बाहर

ऐताना बोनमती के दो गोलों से प्रेरित स्पेन ने स्विट्जरलैंड को 5-1 से हराया। ईडन पार्क आउटर ओवल पर मिडफील्डर बोनमती (पांचवां, 36वां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि एल्बा रेडोंडो (17वां मिनट), लाइया कोडिना (45वां मिनट) और जेनिफर हर्मोसो (70वां मिनट) ने स्पेन की जीत में एक-एक गोल का योगदान दिया। लाइया कोडिना (11वां मिनट) ने एक आत्मघाती गोल दागकर स्विट्जरलैंड का खाता भी खोला। इस एकतरफा मुकाबले में बोनमती ने पांचवें मिनट में ही गोल जमाकर स्पेन का खाता खोल दिया। स्विट्जरलैंड का कोई खिलाड़ी गेंद को नेट में नहीं पहुंचा सका, हालांकि 11वें मिनट में स्पेन की डिफेंडर कोडीना का पास गोलकीपर कैटा कोल के पार जाने के कारण स्विट्जरलैंड का खाता खुला। इसके बाद हालांकि स्पेन ने डिफेंस में कोई गलती नहीं की। रेडोंडो ने 17वें मिनट में स्पेन को बढ़त दिलाई, जबकि कोडीना ने हाफ टाइम से पहले स्पेन की बढ़त 4-1 कर दी। इससे पहले 36वें मिनट में बोनमती पेनल्टी बॉक्स में स्विट्जरलैंड के तीन डिफेंडरों और गोलकीपर को छकाकर अपना दूसरा गोल कर चुकी थीं। स्विट्जरलैंड ने दूसरे हाफ में गोल नहीं कर सका। स्विट्जरलैंड की स्थानापन्न खिलाड़ी मरियम टरकोन गोल करने के करीब भी आयीं लेकिन स्पेन की गोलकीपर कोल को मात नहीं दे सकीं। अंततः, हर्मोसो ने 70वें मिनट में गोल जमाकर स्पेन की 5-1 की जीत पर मुहर लगायी। स्पेन अब क्वार्टरफाइनल में दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड में किसी एक टीम से भिड़ेगी।

# मंधाना ने द हंड्रेड में हासिल की बड़ी उपलब्धि

## टूर्नामेंट में 500 रन बनाने वाली पहली क्रिकेटर बनीं

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना इंग्लैंड में चल रहे द हंड्रेड महिला टूर्नामेंट में 500 रन का आंकड़ा छूने वाली पहले क्रिकेटर बन गई हैं। उनके बाद सर्वाधिक रन इंग्लैंड की नताली साइवर (497 रन) ने जुटाए हैं।

सदर्न ब्रेव टीम का हिस्सा मंधाना वेल्श फायर के खिलाफ भले ही अपनी टीम को जीत दिलाने से चूक गईं, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में इतिहास रच दिया। मंधाना ने इस मैच में 42 गेंदों का सामना करने के बाद नाबाद 70 रन बनाए। उन्होंने 11 चौके ठोके। मंधाना द हंड्रेड (महिला) में सर्वाधिक बार 50 प्लस स्कोर बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने पांच बार इस कारनामे को अंजाम दिया है। इस मामले में मंधाना ने भारत की जेमिमा रोड्रिग्स और डेनिएल व्याट का पछाड़ दिया है, जिन्होंने अब तक चार-चार मर्तबा ऐसा किया। मंधाना ने इसके अलावा अपनी अर्धशतकीय पारी में एक और कमाल किया है। मैच की बात करें तो हेली मैथ्यूज (67) की फिफ्टी की बदौलत वेल्श फायर ने 3 विकेट गंवाकर 165 रन बनाए। जवाब में सदर्न ब्रेव ने 4 विकेट के नुकसान पर 161 रन जोड़े। वेल्श फायर ने रोमांचक मुकाबले में 4 रन से विजयी परमच फहराया। सदर्न ब्रेव को अंतिम ओवर में जीत के लिए 9 रन की दरकार की थी लेकिन वेल्श फायर की मैथ्यू ने सिर्फ 4 रन ही खर्च किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सदर्न ब्रेव ने दमदार शुरुआत की। मंधाना और व्याट (37 गेंदों में 67) ने पहले विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी की। व्याट के आउट होने के बाद मंधाना को दूसरे छोर से साथ नहीं मिला। मैया बाउचियर और क्लो ट्रायॉन ने 9-9 रन का योगान दिया।

## भारतीय महिलाओं ने 20 किमी पैदल चाल में जीता कांस्य

### चीन को स्वर्ण और स्लोवाकिया को रजत

**चेंगडू।** भारत ने विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में शनिवार को महिलाओं की 20 किलोमीटर पैदल चाल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारत की पूजा कुमावत, निकिता लाम्बा, मानसी नेगी और प्रियंका की चौकड़ी ने 5: 12 : 13 का समय निकाला। चीन (4:52:02) ने स्वर्ण और स्लोवाकिया (5 :05:36) ने रजत पदक जीता। भारत और चीन ने इसमें चार चार खिलाड़ी उतारे थे लेकिन सर्वश्रेष्ठ तीन का ही समय लिया गया। प्रियंका ने 1:40 : 39 का समय निकाला और वह भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ रही ।

## एक्रोबेट टूर्नामेंट में सेंट थॉमस स्कूल व एकांश-11 जीते

**भोपाल (खेस)।** पुरुषोत्तम गौर तरण पुष्कर स्थित टर्फ पर एक्रोबेट इंडोर क्रिकेट टूर्नामेंट 2023 के पहले दिन सेंट थॉमस स्कूल और एकांश-11 ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के पहले मैच में एक्रोबेट क्रिकेट अकादमी-बी ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 6 ओवर में 47 रन का लक्ष्य दिया। जिसे सेंट थॉमस स्कूल ने 5.1 ओवर में 3 विकेट खोकर जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के दूसरे मैच में कैपिटल क्रिकेट अकादमी ने एकांश-11 को 80 रन से हराया। इससे पहले प्रतियोगिता का उद्घाटन भोपाल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव रजत मोहन वर्मा, मुख्य आतिथ्य एवं पुरषोत्तम गौर तरण पुष्कर के संचालक डॉ संतोष कटियार की अध्यक्षता में सम्पन हुआ। इस अवसर पर आयोजन सचिव ब्रजभान सिंह धाकड़ एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

## बेसबॉल फेडरेशन कप में मप्र की विजयी शुरुआत

**भोपाल,(खेस)।** बेसबॉल सॉफ्टबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वधान में एलएनसीटी एवं जेएनसिटी खेल मैदान में खेली जा रही बीएसएफआई बेसबॉल फेडरेशन कप राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मेजबान मध्यप्रदेश ने विजयी शुरुआत की। पहले दिन खेले गए मुकाबले में मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 2 -1 से हराया। अन्य मुकाबलो में उत्तर प्रदेश ने बिहार को 7-2 से, आंध्र प्रदेश ने हिमाचल प्रदेश को 6-0 से, उत्तर प्रदेश ने तेलंगाना को 8-0 से, बिहार ने हिमाचल प्रदेश को 2-1 से, आंध्र प्रदेश ने तेलंगाना को 5-2 से , दिल्ली ने पांडिचेरी को 8-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

## भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं पैट कमिंस

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** अगले महीने भारत के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका लग सकता हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस चोट के कारण भारत के आगामी वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं।

हाल ही में समाप्त हुए एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच में संदिग्ध टूटी हुई कलाई के साथ खेलने के लिए उतरे थे, जोकि जोखिम भरा हो सकता था। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पैट कमिंस की बाएं हाथ की चोटिल कलाई को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं दी है। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत 22 सितंबर से मोहाली में होनी है, जिसके बाद 5 अक्टूबर से वर्ल्ड कप के मुकाबले शुरू हो जाएंगे। इस मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि मेडिकल स्टाफ ने फ्रैक्चर की आशंका को खारिज नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ने एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी कलाई चोटिल कर ली थी। जिसके बाद वह कलाई के आस-पास पट्टी बांधकर खेले थे। गेंदबाजी में उन्हें दिक्कत नहीं हुई लेकिन बल्लेबाजी करते समय वह मुश्किल में दिखे थे। हालांकि पिछले दो महीने में 6 टेस्ट मैच खेल चुके पैट कमिंस कुछ समय के लिए आराम करना चाहेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए अगले सप्ताह तक टीम का ऐलान कर सकता है। कमिंस की अनुपस्थिति में मिशेल मार्श टीम की अगुवाई कर सकते है।

## विश्वनाथन आनंद बोले, शतरंज में देश के उत्थान का नेतृत्व कर रहा है डी गुकेश

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने शनिवार को 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को फिडे रैंकिंग में सर्वोच्च रेटिंग वाले भारतीय खिलाड़ी बनने को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि यह किशोर इस खेल में देश के उत्थान का नेतृत्व कर रहा है। गुकेश ने बाकू में विश्व कप के दूसरे दौर के मैच में गुरुवार को अजरबैजान के मिसरतदीन इस्कंदरोव पर जीत दर्ज कर फिडे की लाइव वैश्विक रैंकिंग में अपने आदर्श आनंद को पीछे छोड़ दिया। आनंद ने कहा, मैं पिछले कुछ वर्षों से खेल में पूरी तरह से सक्रिय नहीं हूं। लेकिन फिर भी मेरे लिए वह स्थान खोना जो पिछले 37 साल से मेरे पास है, वह ऐतिहासिक है। मुझे यह स्वीकार करने में कोई परेशानी नहीं है। इससे भी ज्यादा उम्मीद की बात यह है कि गुकेश ने वास्तव में मुझे पछाड़कर शीर्ष 10 में प्रवेश कर लिया है। यह हमारे लिए शानदार खबर है।

## ऑस्ट्रेलिया ओपन — प्रियांशु की सेमीफाइनल में चुनौती समाप्त, हारकर हुए बाहर

# प्रणय ने फाइनल में मारी धमाकेदार इंट्री

**सिडनी,(एजेंसी)।** भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने शनिवार को हमवतन प्रियांशु राजावत को सीधे गेम में हराकर ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में जगह बनाई। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 21 वर्षीय राजावत की चुनौती को 43 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-12 से खत्म किया।

ऑरलियन्स मास्टर्स चैंपियन राजावत पहली बार सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने मैच के पहले गेम में छठी वरीयता प्राप्त प्रणय को कड़ी टक्कर दी। इस साल मई में मलेशिया मास्टर्स जीतने वाले प्रणय ने अपने अनुभव का भरपूर उपयोग करते हुए दूसरा गेम आसानी से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। फाइनल में प्रणय का सामना चीन के वेंग होंग यांग से होगा। दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी वेंग वही प्रतिद्वंद्वी हैं जिन्हें प्रणय ने मई में मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में हराकर छह साल में अपना पहला व्यक्तिगत खिताब जीता था। यह अंतरराष्ट्रीय सर्किट में उनकी अब तक की एकमात्र मुलाकात भी थी। इस हार के साथ, इस सप्ताह राजावत का प्रभावशाली प्रदर्शन पहली बार सुपर 500 सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ समाप्त हुआ। जीत के बाद अपने शानदार प्रदर्शन से प्रणय पूरे सप्ताह शानदार लय में नजर आए।

### मप्र के राजावत के लिए खास रहा है यह साल

मध्य प्रदेश के 21 वर्षीय राजावत आठ साल की उम्र में पुलेला गोपीचंद की ग्वालियर अकादमी में शामिल हुए थे। उन्होंने पिछले एक साल में अपने खेल में काफी सुधार किया है। राजावत ने इस सत्र में जिटिंग, जापान के कोडाई नाराओका और हमवतन लक्ष्य सेन से शीर्ष खिलाड़ियों को तीन गेम तक चले मुकाबले में कड़ी टक्कर दी है। दुनिया के 31वें नंबर के राजावत के खिलाफ 1-0 की बढ़त के साथ सेमीफाइनल में उतरे थे। इससे पहले प्रणॉय ने उन्हें 2022 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में हराया था। ऑरलियन्स मास्टर्स चैंपियन राजावत ने हमवतन किदांबी श्रीकांत को एकतरफा क्वार्टर फाइनल में 21-13 21-8 से हराकर पहली बार सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल जगह बनाई थी।

## दोस्तों संग फ्रेंडशिप डे पर घूमने का बना रहे प्लान, अपनी टोली संग घूम आएं ये खूबसूरत जगहें

जीवन में एक सच्चा दोस्त होना बहुत जरूरी होता है। जिसके साथ आप आराम से घूम-फिर सकें, कोई काम हो या कोई मुश्किल वह हर समय आपके साथ खड़ा हो। किसी भी तरह की परेशानी हो या कोई काम दोस्त सबसे पहले खड़ा नजर आता है। ऐसे में दोस्तों के साथ घूमने में एक अलग ही मजा होता है। जब दोस्तों के साथ घूमने निकलो तो समय का पता नहीं चलता है। फ्रेंडशिप डे इस दोस्ती को सेलिब्रेट करने के लिए मनाया जाता है। ऐसे में बहुत सारे लोग फ्रेंडशिप डे पर घूमने का प्लान बना ही लेते हैं। ऐसे में अगर आप भी फ्रेंडशिप डे पर घूमने का प्लान बना रहे है। तो हम आपको नीचे कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको अपने दोस्तों के साथ जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

**गोवा**- दोस्तों संग बेहतरीन जगह घूमने की बात आने पर गोवा का नाम लिस्ट में सबसे ऊपर आता है। फ्रेंडशिप डे के मौके पर गोवा लाखों लोग घूमने आते हैं। गोवा की नाइटलाइफ और बीचेज इतनी ज्यादा फेमस हैं कि देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग यहां आते हैं। गोवा में आप पालोलेम बीच, दुधसागर वॉटरफॉल, बागा बीच, अंजुना बीच और चोराओ द्वीप जैसी खूबसूरत जगहें एक्सप्लोर कर सकते हैं।

**ऋषिकेश**- फ्रेंडशिप डे के दिन घूमने के लिए योग नगरी के नाम से फेमस ऋषिकेश भी एक बेस्ट डेस्टिनेशन है। अगर आप दिल्ली से ज्यादा दूर घूमने का प्लान नहीं बना रहे हैं, तो आपको दोस्तों संग ऋषिकेष जाना चाहिए। यहां पर आप अपने दोस्तों संग ट्रैकिंग, रिवर राफ्टिंग और हाईकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। ऋषिकेष में आप बीटल्स आश्रम, त्रिवेणी घाट, ऋषिकुंड और लक्ष्मण झुला जैसी बेहतरीन जगहें घूम सकते हैं।

**एबॉट माउंट**- अगर आप फ्रेंडशिप डे के मौके पर उत्तराखंड की असल खूबसूरती का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो इस बार आपको एबॉट माउंट पहुंचना चाहिए। उत्तराखंड के चंपावत जिले में स्थित एबॉट माउंट अपनी हसीन वादियों और मनमोहक दृश्यों के लिए फेमस है। उत्तराखंड की सबसे ऊंची, लंबी और चौड़ी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित एबॉट माउंट बेहद खास है। यहां पर आप नंदकोट, नंदघोंती, त्रिशूल, मैक्ट्रोली और नंददेवी की चोटियों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। नैनीताल से एबॉट माउंट करीब 152 किमी दूर है।

**दोस्तों संग पहुंचे रायगढ़**- वैसे तो महाराष्ट्र में घूमने के लिहाज से कई बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। लेकिन अगर आप दोस्तों के साथ फ्रेंडशिप डे इंज्वॉय करना चाहते हैं, तो इस बार आपको रायगढ़ जरूर जाना चाहिए। सह्याद्री पर्वत श्रृंखला में स्थित रायगढ़ अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यहां पर चारों तरफ हरियाली और घास के मैदान इसकी सुंदरता को बढ़ाने का काम करते हैं। इसे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना भी माना जता है। यहां पर आप दोस्तों के साथ मधे घाट वॉटरफॉल, दिवेआगर बीच और टकमक टोक जैसी जगहें एक्सप्लोर कर सकते हैं।

# मदन दास जी मार्गदर्शक के रूप में हमेशा हमारे साथ रहेंगे : मोदी

देश ने हाल ही में मदन दास देवी जी जैसी महान विभूति को खोया है। उनके जाने से मेरे साथ ही लाखों कार्यकर्ताओं को जो गहरा दुख हुआ, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। आज मन को समझाना मुश्किल है कि मदन दास जी हमारे बीच में नहीं हैं। लेकिन मदन दास जी जैसे प्रभावशाली व्यक्तित्व के विचार और मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे, हमें प्रेरणा देते रहेंगे।

नरेन्द्र मोदी

मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे मदन दास जी के साथ वर्षों तक करीब से काम करने का अवसर मिला। मैंने उनकी सादगी और मृदुभाषी स्वभाव को भी बहुत नजदीक से जाना। उनका जीवन बहुत सहज था। न तो उन पर सादगी का बोझ था और ना दिखावे का नामोनिशान। वे पूरी तरह से संगठन को समर्पित व्यक्ति थे और मेरे पास भी लंबे समय तक संगठन के कार्यों का दायित्व रहा है। इसलिए अधिकतर समय हमारे बीच की बातचीत संगठन का विस्तार, व्यक्ति निर्माण जैसे पहलुओं पर केंद्रित रहती थी। एक बार मैंने उनसे पूछा कि वे मूल रूप से कहां के रहने वाले हैं। उन्होंने मुझे बताया कि वे तो महाराष्ट्र के सोलापुर के पास के एक गांव से आते हैं, लेकिन उनके पूर्वज गुजरात के थे। वैसे ये उन्हें पता नहीं था कि गुजरात में कहां से थे। मैंने उन्हें बताया कि देवी उपनाम से मेरे एक शिक्षक थे, जो विसनगर के रहने वाले थे, इसलिए हो सकता है कि आप भी उधर के ही हों। बाद में मदन दास जी विसनगर गए और मेरे गांव वडनगर भी गए। वो मुझसे अधिकतर समय गुजराती में ही बातचीत करते थे।

मदन दास जी धैर्यपूर्वक कार्यकर्ताओं की बातों को सुना करते थे और घंटों तक चली चर्चा को वो बहुत कम वाक्यों में संक्षेप में समेट लेते थे। उनकी एक विशेषता थी कि वे शब्दों से परे जाकर कार्यकर्ता की भावनाओं को बहुत जल्दी समझ लेते थे।

मदन दास जी की जीवन यात्रा दर्शाती है कि कैसे स्वयं को पीछे रखकर और सामान्य कार्यकर्ताओं को जोड़कर बड़ी-बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। उनके पास Chartered Accountant की ट्रेनिंग थी, इसलिए वे चाहते तो आरामदायक जीवन जी सकते थे, लेकिन उनके जीवन का उद्देश्य कुछ और ही था। उन्होंने राष्ट्रनिर्माण को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाया।

भारत के युवाओं पर मदन दास जी को अटूट भरोसा था। वे देशभर के युवाओं को आपस में जोड़ने की क्षमता रखते थे। उन्होंने अपने जीवन का लंबा कार्यकाल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया। मदन दास जी अपनी इस यात्रा में यशवंत राव केलकर जी से प्रभावित रहे, जिनके बारे में वे अक्सर बातें किया करते थे। यशवंत राव जी के कामों को उन्होंने न केवल आगे बढ़ाया, बल्कि उसे और समृद्ध किया।

मदन दास जी का हमेशा जोर रहता था कि एबीवीपी के कामों में अधिक से अधिक छात्राओं की भागीदारी हो, और न सिर्फ ये भागीदारी तक सीमित रहे, बल्कि छात्राएं गतिविधियों का नेतृत्व करें। वे अक्सर कहते थे कि जब छात्राएं किसी सामूहिक गतिविधि में शामिल होती हैं तो वह प्रयास और ज्यादा संवेदनशील बन जाता है। विद्यार्थियों से मदन दास जी का गहरा लगाव था और वो अक्सर छात्रावासों में विद्यार्थियों के बीच घुलमिल जाते थे। आयु में फर्क होने के बावजूद वो नई पीढ़ी के साथ बहुत सहजता से तालमेल बिठा लेते थे। वे विद्यार्थियों के बीच हमेशा ऐसे काम करते रहे, जैसे पानी के बीच कमल। विद्यार्थियों के बीच रहकर भी वे कभी University Politics का हिस्सा नहीं बने।

सामाजिक और राजनीतिक जीवन में कई ऐसे लोग हैं, जिनके जीवन को गढ़ने में मदन दास जी की बहुत बड़ी भूमिका रही है। लेकिन मदन दास जी ने कभी इस बात को प्रकट नहीं किया, क्योंकि यह उनके स्वभाव में ही नहीं था।

आजकल People Management, Talent management और Skill Management के Concepts बहुत ज्यादा Popular हैं। मदन दास जी यह बखूबी समझ लेते थे कि किस व्यक्ति में किस तरह की स्किल है और उसका टैलेंट संगठन के हित में कैसे काम आ सकता है। उनमें यह खासियत थी कि वे लोगों को उनकी क्षमताओं और टैलेंट के अनुरूप ही दायित्व सौंपते थे। जिस प्रकार एक माला में मोतियों को पिरोते हैं, उसी प्रकार वे कार्यकर्ताओं को भी संगठन में उचित दायित्व के साथ जोड़ देते थे। जब भी किसी कार्यकर्ता के पास कोई नया आइडिया होता था, तो उसकी हमेशा ये इच्छा रहती थी कि वो मदन दास जी के साथ शेयर करे। और इसकी एक वजह ये थी कि मदन दास जी नए आइडियाज को सुनने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनके साथ काम करने वाले लोग Self-motivated होते थे, इस कारण से उनके नेतृत्व में न सिर्फ संगठनों का बहुत तेजी से विकास और विस्तार हुआ, बल्कि संगठन कहीं अधिक प्रभावी और सशक्त बने।

आम तौर पर सार्वजनिक जीवन में लोगों को लगता है कि बहुत सारे लोगों से मिलना चाहिए, उनसे संपर्क करना चाहिए। मदन दास जी संपर्क को लेकर बहुत सेलेक्टिव थे। किससे मिलना, कब मिलना और जब मिलूंगा तो उससे क्या बात करना और इसमें कितना समय जाएगा। इन सबकी वो प्लानिंग करते थे। मदन दास जी के जो प्रवास और कार्यक्रम होते थे, उनमें वो कभी भी कार्यकर्ताओं पर बोझ नहीं बनते थे। उनका आना एक बहुत बड़े लीडर के साथ जो सुनामी आती है, उस तरह नहीं रहता था। वे एक ठंडी-मीठी लहर की तरह आकर चले जाते थे। और सारे कार्यकर्ताओं को, पूरी स्थानीय इकाई को प्रेरणा से भर देते थे।

मैं अंतिम समय तक सतत उनके संपर्क में रहा। मैं हाल में जब भी उनको फोन करता था तो वे चार बार पूछने के बाद ही अपनी बीमारी के बारे में बात करते थे। अन्यथा वे हंसकर टाल जाते थे। उनकी इच्छा रहती थी कि मैं किसी पर बोझ नहीं बनूं। शारीरिक कष्ट के बावजूद भी वे प्रसन्नचित्त नजर आते थे। बीमारी में भी उनके मन में हमेशा ये भाव रहता था कि मैं समाज के लिए, देश के लिए क्या करूं।

मदन दास जी का Academic Record काफी शानदार था और इसने उनके काम करने के तरीकों को एक खास आयाम दिया। वे बहुत अच्छे पाठक भी थे। जब भी कुछ अच्छा पढ़ते थे, तो उसे उस विषय से संबंधित लोगों को भेज देते थे। मुझे अक्सर ऐसी चीजें उनसे प्राप्त होती थीं, जिन्हें मैं अपने लिए बहुत उपयोगी पाता था। अर्थशास्त्र और नीतिगत मामलों की वे बहुत गहरी समझ रखते थे। वे एक ऐसा भारत देखना चाहते थे, जो किसी पर भी निर्भर नहीं हो। मदन दास जी ने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी, जिसके प्रत्येक नागरिक के लिए आत्मनिर्भरता जीवन की वास्तविकता हो। एक ऐसे समाज का निर्माण हो जहां सम्मान, सशक्तिकरण और सामूहिक समृद्धि की भावना हो। आज भारत एक के बाद एक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनता जा रहा है, इसे देखकर उनसे ज्यादा खुश कोई नहीं होता।

आज जब हमारा लोकतंत्र जीवंत है, युवा आत्मविश्वास से भरे हैं और देश उम्मीदों, आशाओं और आकांक्षाओं से भरा है, तब मदन दास देवी जी जैसी विभूतियों को याद करना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। उनका पूरा जीवन समाज की सेवा और राष्ट्र के उत्थान के लिए समर्पित रहा।

**■ लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं।**

## इंडिया की अब अगली बैठक 31 अगस्त को

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंट इन्क्लूसिव एलायंस) नाम से बने नए विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक 31 अगस्त-1 सितंबर के बीच मुंबई में होगी। इस मीटिंग की मेजबानी शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद गुट) मिलकर कर सकते हैं। नया गठबंधन बनने के बाद यह पहला मौका है, जब सभी 26 विपक्षी दल किसी ऐसे राज्य में मीटिंग करेंगे, जहां उनका कोई सदस्य सत्ता में नहीं है। दरअसल महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट)-एनसीपी (अजित गुट) की सरकार है। इनमें से कोई भी इंडिया का हिस्सा नहीं है। पहली मीटिंग बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू द्वारा 23 जून को पटना में आयोजित की गई थी।

## मणिपुर में तीन की मौत के बाद इंफाल में तनाव

**इंफाल, (एजेंसी)।** मणिपुर में सुरक्षाबलों और मैतेई समुदाय के बीच पिछले 24 घंटे से झड़प जारी है। इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। ये हिंसक झड़प टेराखोंगसांगबी कांगवे और थोरबुंग में हुई हैं। यह इलाका कुकी-मैतेई के बीच का बॉर्डर है, जो बफर जोन कहलाता है। मृतकों की पहचान युमनम जितेन मैतेई (46), युमनम पिशाक मैतेई (67) और युमनम प्रेमकुमार मैतेई (39) के रूप में की गई है, जो सभी क्वाक्टा लामल्हाई के रहने वाले हैं। हमलावर बफर जोन क्रॉस करने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षाबलों ने जब रोका तो इनके बीच झड़प हो गई। इस दौरान फायरिंग भी की गई। सुरक्षाबलों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। तीन लोगों की मौत के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया।

## आज का इतिहास

- 1821: ब्रुसेल्स में 'कौरियर ऑफ पेज बास' अखबार का प्रथम संस्करण प्रकाशित।
- 1825: बोलीविया पेरू से आजाद।
- 1862: मद्रास हाईकोर्ट की स्थापना।
- 1906: स्वतंत्रता सेनानी चित्तरंजन दास और अन्य कांग्रेसियों ने 'वंदेमातरम' समाचार पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया।
- 1914: ऑस्ट्रिया ने रूस के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1945: अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर परमाणु बम गिराए।
- 1960: क्यूबा ने देश के सभी प्रॉपर्टी का राष्ट्रीयकरण किया।
- 1962: जमैका में यूनाइटेड किंगडम का सम्राज्य समाप्त हुआ और उसे स्वतंत्रता मिली।
- 1964: अमेरिका के नेवादा में विश्व के सबसे प्राचीन वृक्ष प्रोमेथस को काटा।
- 1996: नासा ने मंगल पर जीवन होने की संभावना जताई।

# हरियाणा हिंसा में अब सामने आया पाकिस्तान का कनेक्शन

## इस्लामाबाद-लाहौर में बैठकर भड़काऊ पोस्ट कर रहा था यूजर

**नूंह ■ एजेंसी**

हरियाणा की नूंह हिंसा में अब पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आया है। हरियाणा पुलिस की जांच में पाकिस्तानी यू-ट्यूबर जीशान मुश्ताक के बारे में पता चला है। उसने भड़काऊ वीडियो पोस्ट किए। सूत्रों ने बताया कि यू-ट्यूबर ने अहसान मेवाती पाकिस्तानी के नाम से सोशल मीडिया अकाउंट बना रखा था। यूजर ने अपनी लोकेशन राजस्थान का अलवर बताई थी, हालांकि हकीकत में वह पाकिस्तान के इस्लामाबाद और लाहौर से वीडियो पोस्ट कर रहा था। जीशान ने पाकिस्तान एजुकेशन एंड रिसर्च नेटवर्क के जरिए वीडियो अपलोड किए। इस सेंट्रलाइज्ड नेटवर्क से पाकिस्तान के एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस को इंटरनेट दिया जाता है। यह पाकिस्तान सरकार का ही हिस्सा है। जीशान ने मोनू मानेसर को मारने और नूंह में हिंसा के लिए उकसाया था। जिस दिन हिंसा जारी थी, उसी दिन आगजनी-तोड़फोड़ के फुटेज भी जारी कर रहा था। पुलिस को शक है कि जीशान का नूंह में मजबूत नेटवर्क है। पुलिस ने अब तक की जांच के आधार पर केस दर्ज करने की तैयारी कर ली है।

### खुद को राजस्थान का बताया

**हरियाणा में स्ट्रॉन्ग कनेक्शन, वीडियो को 1 लाख 45 हजार लाइक्स मिले:** सूत्रों के मुताबिक, जीशान ने अहसान मेवाती के नाम से भड़काऊ वीडियो अपलोड किए, उसके अलावा वो जो जानकारियां दे रहा था। उनसे जाहिर होता है कि हरियाणा में उसका स्ट्रॉन्ग कनेक्शन है। वीडियो पोस्ट होने के 48 घंटे के भीतर उन्हें 1 लाख 45 हजार लाइक्स मिले। उसके यू-ट्यूब चैनल पर 273 वीडियो पोस्ट किए गए हैं और 80 हजार फॉलोअर्स हैं। जीशान 27 जुलाई को पाकिस्तान के पंजाब में सरगोढ़ा के करीब एक गांव में गया था। वहां उसने एक वीडियो रिकॉर्ड किया। इस दौरान उसने टेलेनॉर ब्रॉडबैंड का इस्तेमाल किया।

### नूंह में दूसरे दिन भी बुलडोजर एक्शन

इस बीच, नूंह में हुई हिंसा के 5 दिन बाद राज्य सरकार का बुलडोजर एक्शन दूसरे दिन भी जारी है। शनिवार को पुलिस फोर्स के साथ अधिकारी 4 बुलडोजर लेकर नूंह पहुंचे। यहां नलहड़ रोड पर 30 मकान-दुकान गिरा दी गईं। अधिकारियों का कहना है कि ये अवैध निर्माण हैं और इनमें रहने वाले 31 जुलाई की हिंसा में शामिल थे।

### सोशल मीडिया पर अहसान का प्रोफाइल वायरल

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ऐसे कई सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच कर रही है, जो हाल ही में बनाए गए हैं। इनसे लगातार भड़काऊ पोस्ट और वीडियो अपलोड किए गए हैं। इनमें से एक अहसान मेवाती का प्रोफाइल वायरल है। अब तक की जांच में पता चला है कि यह जीशान का प्रोफाइल है। वो खुद को अलवर का बताता है। 31 जुलाई को जब नूंह में हिंसा भड़की हुई थी, तब उसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे थे।

# मैनिट-एनआईटीटीटीआर के साथ एमओयू पर भारतीय मानक ब्यूरो ने किए हस्ताक्षर

**सोने और चांदी के आभूषण और कलाकृतियों का हॉलमार्किंग और प्रयोगशाला सेवाएं जैसे विभिन्न योजनाएं चलाता है प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन**

**नई दिल्ली, (ब्यूरो)।** भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) भारत का एक अधिकृत निकाय है जो भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के अधीन कार्य करता है। यह औद्योगिक उन्नति और उपभोक्ता संरक्षण का ध्यान रखते हुए उत्पाद प्रमाणन (आईएसआई मार्क), प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन, सोने और चांदी के आभूषण/कलाकृतियों का हॉलमार्किंग और प्रयोगशाला सेवाएं जैसे विभिन्न योजनाएं चलाता है।

बीआईएस ने 04 अगस्त 2023 को भारत भर में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौते भी किए हैं। भारतीय मानक ब्यूरो, भोपाल ने मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल तथा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के साथ एमओयू साइन किया। तकनीकी और पेशेवर संस्थानों के साथ साझेदारी उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय मानकीकरण गतिविधि में भाग लेने, मानकीकरण से संबंधित आरएंडडी परियोजनाओं के लिए भू-अधिकार समर्थन प्राप्त करने, मानकीकरण और संगतता मूल्यांकन के विषय पर सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला, और अन्य साहित्य का आपसी विनिमय करने, शैक्षणिक पाठ्यक्रम में मानकीकरण के विषय की परिचय करने, मानकीकरण, परीक्षण और संगतता मूल्यांकन के क्षेत्र में एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना के लिए संभावना की खोज करने, प्रयोगशाला सुविधाओं का उपयोग आदि करने में मदद करेगा। बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में उप महानिदेशक (मध्य क्षेत्र) डॉ. आरके त्यागी और ब्यूरो के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में पार्थ सारथि मंडल, वैज्ञानिक-ई/निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस, भोपाल, डॉ. मनीषा दुबे, डीन (संस्थागत विकास और अंतर्राष्ट्रीय संबंध) मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, रमन कुमार त्रिवेदी, वैज्ञानिक डी/संयुक्त निदेशक, बीआईएस, भोपाल और प्रोफेसर सीसी त्रिपाठी, निदेशक, एनआईटीटीई, भोपाल उपस्थित थे।

# गहलोत के तेवर नरम-गरम

**जयपुर, (ब्यूरो)।** मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बहुत दिनों बाद अपने राजकीय आवाज से बाहर आए तो एक अलग ही मूड में नजर आए उन्होंने कई बातें ऐसी की जिनके बहुत गहरे अर्थ होते हैं। एक तरफ वह अभिभावक की तरह बात कर रहे थे तो दूसरी तरफ कुशल प्रशासक के रूप में प्रशासनिक मशीनरी के साथ कई अन्य लोगों को भी को हिदायत दे रहे थे। प्रदेश के मुखिया होने के नाते कई मामलों पर उनकी चिंता दिखाई दी तो अपराधियों को सख्त लहजे में चेतावनी भी नजर आ रही थी। मौका था एसएमएस स्टेडियम में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों के उद्घाटन का जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के बाद वे पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

**अभिभावक के रूप में बच्चों को दी समझाइश:** आज उनका प्रदेश के अभिभावक का रूप देखने को मिला जब बालिग और नाबालिग बच्चों के घर से भाग जाने की घटनाओं पर दुख जताते हुए अपील कर रहे थे कि माता-पिता बच्चों की भावनाओं को समझें और उनको समझाएं। यह प्रदेश के सभी माता-पिता को गहलोत का संदेश था कि बदलते परिवेश में बच्चों को संभालना उनकी पहली जिम्मेदारी है और वह जमाने को देखते हुए इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें। बच्चे कई बार घर से भाग जाते हैं आत्महत्या कर लेते हैं, एक दूसरे को मार डालते हैं अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि ऐसी नौबत नहीं आने दे।गहलोत इस बात पर चिंता जता रहे थे के बच्चे घर से भाग जाते हैं तो उनके साथ कुछ गलत घटित हो जाता है उनका इशारा जोधपुर की घटना की ओर था जिसमें एक नाबालिक लड़का और लड़की घर से भागे और एबीवीपी कार्यकर्ताओं द्वारा वह नाबालिग लड़की गैंगरेप की शिकार हो जाती है।

## श्रीरंगम मंदिर के पूर्वी प्रवेश द्वार की टावर की दीवार गिरी

**चेन्नई।** तमिलनाडु के विश्व प्रसिद्ध श्रीरंगम श्री रंगनाथस्वामी मंदिर के पूर्वी प्रवेश स्तम्भ की दीवार का एक हिस्सा शनिवार सुबह ढह गया। सुबह करीब दो बजे हुई इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पूर्वी तरफ के प्रवेश द्वार की पहले और दूसरे स्तर की परिसर की दीवारों में दरारें आने के बाद मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान पहले स्तर की दीवार का एक हिस्सा ढह गया। इस घटना से रविवार सुबह मंदिर में जमा हुये भक्तों में खलबली मच गई।

## टाइटलर पर 1984 दंगा मामले में हत्या का लगाया गया आरोप

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सिख विरोधी दंगा मामले में सीबीआई ने शनिवार (5 अगस्त) को दिल्ली की एक कोर्ट में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। एजेंसी ने चार्जशीट में टाइटलर पर हत्या का आरोप लगाया है। सीबीआई की चार्जशीट में कहा गया है कि टाइटलर ने कार से उतरकर भीड़ से कहा- पहले सिखों को मारो, फिर उनकी दुकानें लूट लो।

### सीबीआई की चार्जशीट में दावा

सीबीआई ने कहा- कांग्रेस नेता ने दिल्ली में गुरुद्वारा पुल बंगश के पास सिखों को मारने के लिए भीड़ को उकसाया था। इसके बाद भीड़ ने तीन लोगों की हत्या कर दी। चार्जशीट में कांग्रेस नेता के ड्राइवर के बेटे का बयान भी शामिल है। जांच एजेंसी ने चार्जशीट में साल 2000 में जस्टिस नानावटी जांच आयोग के सामने दायर हलफनामे से एक गवाह का बयान भी शामिल किया। गवाह के मुताबिक, उसने दिल्ली के टीबी अस्पताल गेट के पास जगदीश टाइटलर को देखा था।

## Filmi तड़का

### सुहाना खान, अगस्तय नंदा, खुशी कपूर समेत 'द आर्चीज' के 7 नए पोस्टर रिलीज

**मुंबई।** बॉलीवुड के कई सारे स्टारकिड्स एक ही फिल्म आर्चीज से बॉलीवुड में कदम रखने वाले हैं। फिल्म को लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट है। क्योंकि इसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्तय नंदा, बोनी कपूर व श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी को मिलाकर 7 कलाकार डेब्यू करने जा रहे हैं। शनिवार को फिल्म की निर्देशक जोया अख्तर ने फिल्म के सभी लीड किरदारों के कैरेक्टर पोस्टर और वीडियो रिलीज कर दिए हैं। सुहाना का लुक देखकर इस पर अमिताभ बच्चन ने अपना रिएक्शन भी दिया है। आर्चीज में सुहाना खान, खुशी कपूर, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा, अगस्त्य नंदा और युवराज मेंदा फिल्म में किस नाम का रोल प्ले करेंगे सामने आ चुका है। फिल्म मेकर जोया अख्तर और नेटफ्लिक्स धीरे-धीरे सभी कलाकारों के नाम से पर्दा हटा रहा है। सबसे पहले अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के किरदार से पर्दा हटाया गया।

### चंद्रमुखी-2 से कंगना रनौत का लुक रिलीज

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म चंद्रमुखी 2 से उनका लुक रिलीज हो गया है। 'चंद्रमुखी 2' का निर्देशन पी. वासु ने किया है। यह फिल्म रजनीकांत की सुपरहिट फिल्म चंद्रमुखी की सीक्वल है। चंद्रमुखी 2 में राघव लॉरेंस और कंगना रनौत की मुख्य भूमिका है। मेकर्स ने 'चंद्रमुखी 2' से कंगना रनौत का फर्स्ट लुक जारी किया है। लायका प्रोडक्शन्स की तरफ से कंगना के लुक को शेयर करते हुए लिखा गया, सुंदरता और मुद्रा जो हमारा ध्यान खींच लेती है! पेश है चंद्रमुखी2 से चंद्रमुखी के रूप में कंगना रनौत का ईर्ष्यापूर्ण, प्रभावशाली और भव्य पहला लुक। पोस्टर में कंगना, महारानी के अवतार में काफी शानदार लग रही हैं। उन्होंने भारी भरकम ग्रीन कलर का आउटफिट पहना हुआ है और उसके साथ हैवी फिल्म चंद्रमुखी 2, 5 भाषाओं तमिल, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी। यह फिल्म गणेश चतुर्थी के मौके पर 19 सितंबर को रिलीज होगी।

**टिप्पणी** महिला की पहचान मैरिटल स्टेटस से नहीं, खत्म करनी होगी ये प्रथा : मद्रास हाईकोर्ट

# विधवा महिलाओं को मंदिर जाने से रोकने की कड़ी निंदा

**चेन्नई, (एजेंसी)।** मद्रास हाईकोर्ट ने विधवा महिलाओं के मंदिर में जाने से रोकने वाली प्रथा की कड़ी निंदा की है। कोर्ट ने कहा की कानून से चलने वाले इस सभ्य समाज में कभी ऐसा नहीं हो सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी थंगामणि नाम की एक महिला याचिकाकर्ता के केस पर की। दरअसल, तमिलनाडु के इरोड जिले में 9 और 10 अगस्त को होने वाले त्योहार होना है। विधवा होने के कारण महिला ने पेरियाकरुपरायन मंदिर में पूजा के लिए पुलिस प्रोटेक्शन की मांग की है।

**कोर्ट ने कहा- ये प्रथाएं महिलाओं का अपमान करती हैं:** कोर्ट ने कहा कि अभी भी विधवा महिलाओं के मंदिर में जाने को अपवित्र समझा जाता है, राज्य में पुरानी मान्यता अभी भी प्रचलित है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि, समाज सुधारक ऐसी बेतुकी प्रथाओं को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जो अभी भी राज्यों को कुछ गांवों में जारी हैं। ये प्रथा पुरुषों ने अपनी सुविधाओं के लिए बनाई है।

### कोर्ट का फैसला

कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि पुलिस महिला और उसके बेटे को मंदिर जाने और त्योहार में शामिल होने से रोकने वालों को सूचित करें कि उन्हें न रोका जाए। फिर भी वो ऐसा करते हैं तो यह कानून का उल्लंघन होगा। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह सुनिश्चित करे की याचिकाकर्ता और उसका बेटा 9 और 10 अगस्त को होने वाले त्योहार में शामिल हो सके।

**पति की मौत के बाद मंदिर में नहीं मिल रही इंट्री**

थंगामणि ने कोर्ट को बताया कि उनके पति मंदिर में पुजारी थे। उनके पति की मौत 28 अगस्त 2017 को हुई। अब वो अपने बेटे के साथ मंदिर में पूजा करना चाहती है, लेकिन कुछ लोग उन्हें धमकी दे रहे हैं और उन्हें विधवा होने के कारण मंदिर नहीं जाने दिया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कोई इन्हें और इनके बेटे को त्योहार में शामिल होने और पूजा से नहीं रोक सकता।

# फाइलेरिया रोधी दवा के लिए विद्यार्थियों ने ली शपथ, नपा अध्यक्ष ने की अपील

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद में 10 अगस्त से शुरू होने वाले सामूहिक दवा सेवन एमडीए के प्रति समुदाय में जन जागरूक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। यह गतिविधियां स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य विभागों के संयुक्त प्रयास और पीसीआई, पाथ व सेंटर फार एडवोकेसी एंड रिसर्च संस्था के सहयोग से आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में माउंट लिटेरा जी स्कूल में शनिवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग और पीसीआई संस्था के संयुक्त प्रयास से किया गया। इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी मनोज कुमार ने 10 से 28 अगस्त तक चलने वाले एमडीए अभियान के विषय में जानकारी दी। उन्होंने स्कूल के लगभग 1000 विद्यार्थियों को फाइलेरिया रोग एवं उससे बचाव के लिए पांच साल लगातार-साल में एक बार एमडीए दवा के सेवन के बारे में जानकारी दी। समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सहयोगी कर्मचारियों को एमडीए दवा सेवन के लाभ के बारे में बताया। विद्यालय के बच्चों द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया गया। अंत में सभी को एमडीए दवा के सेवन के साथ ही फाइलेरिया मुक्त जनपद बनाने में सहयोग करने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर पीसीआई के आरके वर्मा एवं अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं शुक्रवार को गाजीपुर की नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सरिता अग्रवाल की अध्यक्षता में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के एमडीए अभियान पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी की सहभागिता बहुत जरूरी है। मोहम्मदाबाद के नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रईस अंसारी की अध्यक्षता में फाइलेरिया पर चर्चा हुई। उन्होंने अपील की कि 10 अगस्त से शुरू हो रहे एमडीए राउंड में घर-घर जाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों के समक्ष फाइलेरिया से बचाव की दवा जरूर खाएं। यह दवा एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को नहीं खानी है। इस अवसर पर नगर पंचायत के सभासद, कर्मचारी, पाथ के जिला समन्वयक अरुण कुमार, बायोलॉजिस्ट अशोक प्रकाश मौर्य एवं पीसीआई के आरके वर्मा मौजूद रहे। दूसरी ओर सीफार के सहयोग से कासिमाबाद ब्लॉक के बहादुरगंज नगर पालिका कार्यालय में फाइलेरिया एमडीए राउंड विषय पर चर्चा हुई। इसकी अध्यक्षता कार्यकारी अधिकारी एस. पी. सिंह ने की। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत के समस्त सभासद, एमडीए प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए अपने वार्ड में आशा-आंगनबाड़ी कार्यकताओं और समुदाय के साथ बैठक करें। साथ ही लोगों को दवा खाने के लिए प्रेरित करें। बैठक में आए फाइलेरिया रोगी सहायता समूह नेटवर्क के सदस्य लल्लन सोनकर ने अपना अनुभव साझा किया। इस दौरान सभी लोगों ने शपथ ली कि वह फाइलेरिया से बचाव की दवा खाएंगे और अन्य लोगों को दवा खाने के लिए जागरूक करेंगे। इसके अतिरिक्त कासिमाबाद ब्लॉक के ही चवनपुरगनी सिधागर गाँव में ग्राम प्रधान, कोटेदार, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और शिक्षकों के साथ बैठक की गई। इस दौरान पीएसजी नेटवर्क के सदस्य संजय कुमार और रजिया ने अपने अनुभव साझा किये। साथ ही सभी लोगों ने फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा के सेवन करने और समुदाय को जागरूक करने की शपथ ली।

## वाराणसी जिला कारागार में नये महिला बैरक का न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुरुष बंदियों द्वारा महिला बंदियों के लिए बनाई गई नई बैरक का उद्घाटन 6 अगस्त रविवार को न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल द्वारा किया गया इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉक्टर अजय कृष्ण विश्वेश, सीजेएम एडीजे प्रथम स्पेशल सीजेएम उज्जवल उपाध्याय ,डीआईजी जेल राजेश कुमार श्रीवास्तव, सेंट्रल जेल के वरिष्ठ अधीक्षक आरके मिश्रा, जिला जेल के अधीक्षक उमेश सिंह ,जेलर वीके त्रिवेदी समेत अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे इस अवसर पर डीआईजी जेल राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अब महिला बंदियों के साथ उनके बच्चे एक आदर्श बैरक में रहेंगे यह अपने तरह का प्रदेश में अनूठा कार्य हुआ है जिसके लिए जेल अधीक्षक उमेश सिंह को बधाई दी वहीं दूसरी ओर

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देसवाल ने अपने हाथों से बच्चों के साथ रह रही माताओं को सौगात भेंट की तथा उन्होंने महिला बैरक में एक नीम का पेड़ भी लगाया न्यायमूर्ति ने बच्चों का खेल रूम तथा उनके लिए लगाए गए झूला देख प्रसन्नता जताई तथा कहा कि निश्चित रूप से इस व्यवस्था से बच्चों की मनाई स्थिति बदलेगी और उन्हें घरेलू माहौल मिलेगा` इस नई भारत में इस नईबैरक में देर शाम महिला बंदियों को शिफ्ट कर दिया गया वर्तमान समय में 101 महिला बंदियों के साथ उनके 11 बच्चे भी रह रहे हैं नई बैरक में जाने की खुशी महिला बंदियों वह उनके बच्चों के चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी इस नई महिला बैरक में उनके लिए धार्मिक लाइब्रेरी भी खोली गई है इस अवसर पर जेल के चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक सिंह फार्मासिस्ट आनंद मोहन मिश्रा डिप्टी जेलर रत्नप्रिया सुमन यादव मीना कुमारी कमलेश व राजकुमार के साथ ही अन्य जल कर्मी भी मौजूद रहे।

## देव यज्ञ के साथ आर्य समाज ने आयोजित किया सत्संग ज्ञान गंगा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पवित्र श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को आर्य समाज गाजीपुर के सभा भवन में श्रावण मास के उद्देश्य जैसा कि उसके शब्द में ही निहित है कि श्रवण करना, अर्थात सुनना , क्या सुनना , ईश्वर की वाणी वेद को सुनना। इसी उद्देश्य को लिए इस "सत्संग ज्ञान गंगा" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस "सत्संग ज्ञान गंगा" के कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्म यज्ञ एवं देव यज्ञ के साथ ही अभिमन्यु आर्य एवं अभिषेक आर्य के सुंदर भजनों से किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए जिला आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान व डीएवी इंटर कॉलेज के प्रबंधक आदित्य प्रकाश आर्य ने कहा कि यजुर्वेद के 40 में अध्याय के 16 वें मंत्र का अर्थ और भावार्थ करते हुए ऋषि दयानंद सरस्वती लिखते हैं कि हम सब लोगों एक अद्वितीय सर्वोत्तम ईश्वर की उपासना सत्यभाव से करना चाहिए और उसकी आज्ञा का पालन भी मनोयोग से करना चाहिए।

ऐसा करने से ईश्वर हमारे धर्म अर्थ काम मोक्ष की पूर्ति करता है ।ईश्वर की उपासना से हमारे पाप कर्म करने की प्रवृत्ति नष्ट हो जाती है । जिससे हम पुण्य कर्म की तरफ अग्रसर हो जाते हैं। आगे उन्होंने कहा कि आर्य शैली के अनुसार सारा यत्न करके भी अंत में मनुष्य को ईश्वर की दया ही का आश्रय लेना चाहिए । उसी के अनुसार इस प्रार्थना विधायक मंत्र के साथ यजुर्वेद समाप्त होती है। मंत्र में पाप का कैसा सुंदर लक्षण कर दिया है। पाप क्या है ? उल्टे मार्ग पर चलना । इस उल्टे पाप के मार्ग पर न चल कर सीधे और पुण्य पथ का पथिक बनने के लिए ईश्वर ही की पथ प्रदर्शकता कि आवश्यकता है। वही आदि गुरु है। वही महान शिक्षक है। उसी का आश्रय लेने से बेड़ा पार हो सकता है। इसलिए सब कुछ यत्न करके भी अंत में उसी का आश्रय लेना चाहिए। आर्य समाज गाजीपुर के प्रधान दिलीप आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऋषि दयानंद के जीवन की एक घटना है जिसमें उन्होंने चोर के हाथों का भोजन करने से इंकार कर दिया।

## कायस्थ महासभा ने आयोजित किया सम्मान समारोह, अजय व राजेश को किया सम्मानित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वावधान में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कासिमाबाद ब्लाक अन्तर्गत महेशपुर गांव में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में लगातार दो बार से सेन्ट्रल बार संघ कासिमाबाद के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हो रहे अजय कुमार श्रीवास्तव और सेन्ट्रल बार संघ गाजीपुर के महामंत्री राजेश कुमार श्रीवास्तव को महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने माल्यार्पण कर तथा अंगम्वस्त्रम् एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर महासभा के नवनियुक्त कासिमाबाद ब्लाक के अध्यक्ष मितेश श्रीवास्तव जी का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर इस समारोह में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने सम्मानित हुए बन्धुओं को बधाई देते हुए कहा कि सेन्ट्रल बार संघ में इनके निर्वाचित होने से कायस्थ समाज गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने कहा कि कायस्थ महासभा अपने समाज की उभरती प्रतिभाओं का हौंसला अफजाई करने एवं उनका उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से उनका सम्मान करती रही है और करती रहेगी। उन्होंने कहा कि जो समाज अपने महापुरुषों और अपनी प्रतिभाओं का सम्मान नहीं करता उस समाज का वजूद स्वतः समाप्त हो जाता है। उन्होंने समाज के लोगों से अपने गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए राजनीति मे सक्रिय होने का भी आह्वान किया और कहा कि विकास की कुंजी सत्ता के हाथो में होती है। बिना सत्ता में भागीदारी के समाज का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्ता के गलियारों में हमारा दखल कम हुआ है जिसकी वजह से हम लगातार पिछड़ते जा रहे हैं। उन्होंने समय के साथ समाज के लोगों को बदलने की हिदायत देते हुए कहा कि लकीर का फकीर बनने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो समाज बदली हुई परिस्थितियों और समय के हिसाब से फैसला नहीं लेता है वह लगातार पिछड़ता चला जाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में राजनीति छोटी हुई है और जाति बड़ी। उन्होंने कहा कि बहुत हुई राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र निर्माण। अब अपने समाज के उत्थान के बारे में सोचने की जरूरत है। राष्ट्र का निर्माण करते करते हम मिट गये, हमें कुछ भी हासिल नहीं हुआ और जिनका राष्ट्र निर्माण में कोई योगदान नहीं था वह आज सत्ता की मलाई काट रहे हैं। उन्होंने कहा

कि जो समाज आज एकजूट होकर फैसला ले रही है वह प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर समाज को मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विपिन बिहारी वर्मा, परमानन्द श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव एडवोकेट, दुर्गेश श्रीवास्तव एडवोकेट, अमर सिंह राठौर, अजय कुमार श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान लोरिक यादव, मोहनलाल श्रीवास्तव, विजय प्रकाश श्रीवास्तव, विपुल सिन्हा, नित्यानंद श्रीवास्तव, कृष्ण कन्हैया श्रीवास्तव, आनंद प्रकाश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव,अक्षत श्रीवास्तव, राघवेन्द्र श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव ,अच्छे लाल श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। इस समारोह का संचालन वैवाहिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मोहन लाल श्रीवास्तव ने किया।

## सैनिक सम्मेलन तथा अपराध गोष्ठी का पुलिस लाइन में हुआ आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन गाजीपुर में शनिवार को सैनिक सम्मेलन व अपराध गोष्ठी की गई।सैनिक सम्मेलन के दौरान महोदय द्वारा सर्वप्रथम विभिन्न थानों से आए हुए कर्मचारियों की समस्याओं को सुना गया तथा उसके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इसके बाद सभी थानों के थानाध्यक्षों के साथ अपराध गोष्ठी की गई। जिसमे गैर जनपद से लगे सीमाओं पर किसी भी अवैध गतिविधि को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतने के लिए निर्देशित किया गया। मादक पदार्थों तथा अवैध हथियारों की तस्करी करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। सभी को सख्त निर्देश दिया गया कि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को कदापि न बक्शा जाए। सभी थाना प्रभारियों को लंबित विवेचनाओं

की कार्यवाही पूर्ण करने के लिए आदेशित किया गया तथा यह भी निर्देश दिया गया कि किसी भी थाना क्षेत्र में कोई भी अपराध घटित ना होने पाए ।अपराधियों के विरुद्ध सख्त एवं कड़ी कार्रवाई की जाए । थाने के हिस्ट्रीशीटरो पर थाने के सिपाही से लेकर थाना प्रभारी तक नजर रखें। प्रत्येक थाना प्रभारी थाने पर आए हुए फरियादियों के साथ अच्छा व्यवहार करे एवं प्राप्त प्रार्थना पत्र का निस्तारण निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करे। सभी आरक्षियों, महिला आरक्षियों को उनके बीट में भेजे व उनसे जानकारी प्राप्त करें। घटित घटनाओं से सम्बन्धित अपराधियों की गिरफ्तारी में तत्परता दिखाते हुए अतिशीघ्र गिरफ्तार करें। अपराध गोष्ठी के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, ग्रामीण समस्त क्षेत्राधिकारी तथा समस्त थाना प्रभारी मौजूद रहे।

## शिक्षा में लैंगिक समानता विषय पर सेमिनार का आयोजन

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। रविवार को क्षेत्र के एसकेबी शिक्षण संस्थान रग्घुपुर बेहड़ा में शिक्षा ने लैंगिक समानता विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार के दौरान वक्ताओं और विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने अपने विचार प्रकट किए। सेमिनार को संबोधित करते हुए झांसी से आए डीएवी कॉलेज झांसी के बीएड विभागाध्यक्ष व मुख्य अतिथि डॉ जेएन सिंह ने कहा कि शिक्षा में लैंगिक समानता व समाज में लैंगिक समानता के दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, परंतु उक्त कानूनों का सही से अनुपालन नहीं होने के कारण उसका समुचित लाभ नहीं मिल पाता है, अपने कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन अगर किया जाए तो निश्चित रूप से हमारा समाज इस दिशा की ओर अग्रसर होगा। शिक्षक बच्चों को भावनात्मक बुद्धिमत्ता को अपनाना और अपनी भावनाओं को स्वस्थ तरीके से व्यक्त करना सिखा सकते हैं। यह विषाक्त मर्दानगी को तोड़ने और सभी लिंगों के लिए अधिक समावेशी वातावरण बनाने में मदद कर सकता है। इसी तरह, माता-पिता को लिंग की परवाह किए बिना बच्चों को उनकी

रुचियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। लड़कियों को सभी उद्योगों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, चाहे वह खेल हो या विज्ञान। इससे न केवल लैंगिक बाधाओं को तोड़ने में मदद मिलेगी बल्कि समग्र रूप से समाज के लिए अधिक नवाचार और प्रगति होगी। एमकेजी पीजी कॉलेज प्रतापगढ़ से आए डॉ मनोज दुबे ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सदियों से दुनिया भर में पितृसत्तात्मक समाज ने पुरुषों को यह विश्वास दिलाया है कि वे विशेष हैं और अब इस लिंग आधारित असमानता को दूर करने का समय आ गया है। कहा कि हाल के वर्षों में प्रगति के बावजूद, शिक्षा में लैंगिक असमानता दुनिया भर में एक व्यापक मुद्दा बनी हुई है। एक साथ काम करके, स्कूल, समुदाय और नीति निमार्ता एक ऐसा वातावरण बना सकते हैं जहां दोनों लिंग शैक्षणिक और व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़ सकें और जहां लैंगिक असमानता अतीत की बात हो। शिक्षा में लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए पहला कदम समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। इसमें लैंगिक रूढ़िवादिता को चुनौती देना और दोनों लिंगों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना शामिल है। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर उदय प्रताप सिंह व अध्यक्षता डॉ जेएन सिंह ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ विमल कुमार, डॉ प्रशांत सिंह, डॉ गौरव सिंह, धर्मपाल सिंह प्रबंधक चंद्रभान सिंह, कर्मचारीगण और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

## कार्य में बाधा उत्पन्न करने पर आरटीआई एक्टिविस्ट दीपक शुक्ला अयोग्य घोषित

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आरटीआई एक्टिविस्ट दीपक शुक्ला को जन सूचना आयुक्त द्वारा अयोग्य घोषित किए जाने की सूचना अपलोड कर दी गई है। जन सूचना आयुक्त के निर्देश पर विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है। दीपक शुक्ला पर आरोप है कि वह आयोग के पीठासीन अधिकारी और उनके अधीनस्थ कार्मिकों के विरुद्ध लगातार अनर्गल आरोप और अमर्यादित भाषाओं का प्रयोग किया करते हैं। साथ ही आयोग के कार्यों में अनावश्यक बाधा उत्पन्न करने तथा आयोग परिसर में ही जन सूचना अधिकारी के साथ मारपीट भी किया था। यह आदेश सूचना आयुक्त उत्तर प्रदेश अजय कुमार उप्रेती ने दी है।

## खराद की दुकान को चोरों ने बनाया निशाना

प्रखर खेतासराय जौनपुर। नगर में बीती रात्रि चोरों ने दीदारगंज मार्ग पर एक दुकान को निशाना बनाते हुए गल्ले में रखे करीब तीस हजार उड़ा दिया । पीड़ित की सूचना पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है । बस स्टैंड के पास अशोक कुमार विश्वकर्मा की खराद की दुकान है । रोज की भांति वह दुकान का शटर खोला तो भौचक हो गए । देखा कि गल्ले की पेटी में रखे कागजात को इधर उधर बिखरे हुए मिला । उनके मुताबिक पेटी में रखे करीब तीस हजार नकदी को चोरों ने उड़ा दिया । आशंका जताई जा रही है चोर रोशन दान के सहारे घटना को अंजाम दिया । भुगतभोगी ने थाने में तहरीर दिया है । पुलिस पिकेट से महज तीन सौ दूरी पर चोरी की घटना से पुलिस के पेट्रोलिंग पर सवाल उठना लाजिमी है ।

## संक्षिप्त खबरें

### श्रीमद्भागवत कथा सुनने से मनुष्य का पाप नष्ट हो जाते हैं : पं संतोष मिश्रा जी

प्रखर चौबेपुर वाराणसी। श्री राम लाल बह्मबाबा मंदिर झाझूपुर पर श्रीमद्भागवत कथा में पं संतोष मिश्रा जी के मुखारविंद से सुनने को क्षेत्रवासियों को मिल रहा है। कल की कथा में आप द्वारा बताया गया कि भागवत की कथा सुनने से मनुष्य के पाप नष्ट हो जाते हैं। ऐसी यह भागवत कथा है। भागवत सभी वेद पुराणों में श्रेष्ठ है। मानव जीवन में इस कथा का श्रवण जरूर करना चाहिए। तथा इस समय सावन महीने का अतिमहत्वपूर्ण समय चल रहा है। इस मंदिर पर सुबह रूद्राभिषेक किया जाता है। तथा शाम को भागवत कथा सुनाया जाता है।

### दबंग कर रहा है जमीन पर कब्जा भुक्तभोगी ने जिलाधिकारी एवम पुलिस अधीक्षक से लगाई गुहार

प्रखर जौनपुर। बरसठी थाना के पटखौली आलमगंज गांव में रहने वाली पीड़िता मोमिना बेगम पत्नी अब्दुल अजीज ने जिला मुख्यालय पर पहुंचकर एसपी व डीएम से गुहार लगाई है कि उक्त क्षेत्र की आराजी संख्या 325 पर जिसका मुकदमा दीवानी न्यायालय में विचाराधीन है पर उसके विपक्षी सिकंदर अली पुत्र यासीन,सरफराज अली, इंसाफ पुत्र सिकंदर अली अपने धनबल व बाहुबल के आधार पर जबरदस्ती कब्जा कर रहे हैं, जबकि उपरोक्त के खिलाफ थाना बरसठी में धारा 323,504 और 506 में मुकदमा भी दर्ज है, पीड़िता ने लगाया है कि उपरोक्त दबंगों के खिलाफ पहले से ही थाने में रिपोर्ट दर्ज है उसके बावजूद भी पुलिस एकतरफा कार्रवाई करते हुए अब्दुल जलील पुत्र रहमतुल्लाह को अकेले पकड़कर ले गई और एकतरफा कार्रवाई कर रही है जबकि विपक्षी गण सिकंदर अली और उनके पुत्र उक्त जमीन पर जबरदस्ती निर्माण कर रहे हैं। उक्त मामले की जानकारी के लिए बरसठी थाना अध्यक्ष गोविंद देव मिश्र ने बताया कि जमीन पर कोई निर्माण नहीं हो रहा है शांति भंग में चालान किया गया था मौके पर कोई विवाद नहीं है मामला न्यायालय में लंबित है।

### 508 रेलवे स्टेशनो में चयनित दिलदारनगर जंक्शन के आधुनिकीकरण का मोदी ने किया शिलान्यास

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 508 रेलवे स्टेशनों में चयनित गाजीपुर जनपद के दानापुर मंडल अंतर्गत दिलदारनगर जंक्शन के पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण के शिलान्यास के अवसर पर दिलदारनगर रेलवे कैम्पस में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सकलदीप राजभर द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विडियो कांफ्रेंसिंग शिलान्यास तथा सम्बोधन के पश्चात शिलापट्ट का अनावरण किया गया। इस अवसर उपस्थित राज्यसभा सांसद सकलदीप राजभर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की बुनियादी जरूरतों तथा लोगों की अपेक्षाओं को पुरा करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। आज 508 रेलवे स्टेशनों में दिलदारनगर जंक्शन का चयन इस रेल खंड के लिए बड़ी उपलब्धि है। जिससे लोगों की सुगम यात्रा का मार्ग सुविधायुक्त सम्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि गाजीपुर सिटी स्टेशन से जुड़ने के बाद दिलदारनगर जंक्शन का महत्व बहुत बढ़ गया है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से रिमोट दबाकर शिलान्यास करते ही पुरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह, जिला प्रभारी अशोक मिश्रा, नगरपालिका गाजीपुर अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, जयप्रकाश गुप्ता, नगर पंचायत दिलदारनगर अध्यक्ष अविनाश जायसवाल, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मा मनोज सिन्हा के पुत्र अभिनव सिन्हा, सरोज कुशवाहा, कृष्ण बिहारी राय, प्रो शोभनाथ यादव, ओमप्रकाश राय, प्रवीण सिंह, दयाशंकर पांडेय, अवधेश राजभर, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, अच्छेलाल गुप्ता, विनोद अग्रवाल, विष्णु प्रताप सिंह, अखिलेश सिंह, ओमप्रकाश राम, लालसा भारद्वाज, अमरेश गुप्ता, सुनील सिंह, शैलेश राम, विश्व प्रकाश अकेला, गोपाल राय, पंकज राय, हंसराज भारद्वाज, संजय राम, सहित आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं